कार्तिक कृष्ण - 3 ■ संवत 2080 ■ वर्ष - 11 ■ अंक - 97 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » मंगलवार » 31-10-2023 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 केजरीवाल बताएं कि 338 करोड़ रुपये कहां गए : भाजपा

6 लौहपुरुष एवं भारत के बिस्मार्क थे सरदार पटेल

7 अपने माता-पिता को कभी हल्के में नहीं लें : अनुपम खेर

चुनौतियों के समाधान के लिए सहयोग ढांचा जरूरी : राजनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जलवायु परिवर्तन, समुद्री डकैती, आतंकवाद, मादक पदार्थ तस्करी, अत्यधिक मछली पकड़ने और खुले समुद्र में वाणिज्य की स्वतंत्रता जैसी आम समुद्री चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए हिन्द महासागर क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग ढांचे की स्थापना का आह्वान किया है।

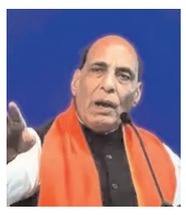

रक्षा मंत्री ने सोमवार को गोवा समुद्री सम्मेलन के चौथे संस्करण में इस बात पर जोर दिया कि क्षेत्र को असुरक्षित बनाने वाले स्वार्थी हितों से बचते हुए सामान्य समुद्री प्राथमिकताओं को पूरा करने की आवश्यकता है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानूनों का सम्मान करने के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, स्वतंत्र, खुली और नियम-आधारित समुद्री व्यवस्था हम सभी के लिए प्राथमिकता है। ऐसी समुद्री व्यवस्था में 'शायद सही है' का कोई स्थान नहीं है। अंतर्राष्ट्रीय कानूनों और समझौतों का पालन हमारा आदर्श होना चाहिए। हमारे संकीर्ण तात्कालिक हित हमें अच्छी तरह से स्थापित अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन या अवहेलना करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं, लेकिन ऐसा करने से हमारे सभ्य समुद्री संबंध टूट जाएंगे। हम सभी के सहयोग के वैध समुद्री नियमों का सहयोगपूर्वक पालन करने की प्रतिबद्धता के बिना हमारी साझा सुरक्षा और समृद्धि को संरक्षित नहीं किया जा सकता है। सहयोग को बढ़ावा देने और यह सुनिश्चित करने के लिए निष्पक्ष नियम महत्वपूर्ण हैं कि कोई भी एक देश दूसरों पर आधिपत्य जमाने के तरीके से हावी न हो जाए,'।

देश में करोड़ों लोगों का जीवन बदल रहा है : मोदी

पश्चिमी समर्पित माल ढुलाई गलियारे का 77 किलोमीटर लंबा खंड राष्ट्र को समर्पित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मेहसाणा/वार्ता। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को यहां कहा कि 'गुजरात की तरह हर घर जल अभियान देश में करोड़ों लोगों का जीवन बदल रहा है।'

मोदी ने हर घर में पानी पहुंचाने की योजना का जिक्र करते हुए गुजरात में शुरू की गई जल संरक्षण योजना का भी उल्लेख किया। इसने अब देश के लिए जल जीवन मिशन का रूप ले लिया है। उन्होंने कहा, गुजरात की तरह हर घर जल अभियान देश में करोड़ों लोगों का जीवन बदल रहा है। वह आज मेहसाणा में लगभग 5800 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास अवसर पर सभा को संबोधित कर रहे थे।

प्रधानमंत्री ने उस समय को याद करते हुए जब पूरे उत्तरी गुजरात क्षेत्र में पीने और सिंचाई के लिए पानी की कमी के कारण जीवन कठिन था और एकमात्र डेयरी व्यवसाय को अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। उन्होंने कहा कि किसान प्रति वर्ष केवल एक ही फसल काट पाते थे और उसमें भी कोई निश्चितता नहीं होती थी।

मोदी ने क्षेत्र के कायाकल्प के लिए किए गए कार्यों पर प्रकाश डाला और यहां जल आपूर्ति और सिंचाई के लिए किए गए कार्यों का उल्लेख किया। उन्होंने जोर देकर कहा, हमने कृषि क्षेत्र के साथ-साथ उत्तरी गुजरात के औद्योगिक क्षेत्र को विकसित करने के लिए काम किया।

आंध्र रेल दुर्घटना :

शुरुआती जांच में रायगड़ा पैसेंजर ट्रेन के चालक दल की चूक सामने आई

रेल हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 14 हुई

नई दिल्ली/भाषा। आंध्र प्रदेश में रविवार रात हुई रेल दुर्घटना की प्रारंभिक जांच में रायगड़ा पैसेंजर ट्रेन के चालक और सहायक चालक को हादसे के लिए जिम्मेदार ठहराया गया है, क्योंकि यह नियमों का उल्लंघन करते हुए दो खराब 'ऑटो सिग्नल' को पार कर गई थी। दुर्घटना में चालक दल के दोनों सदस्यों की मौत हो गई।

सात विशेषज्ञों द्वारा हस्ताक्षरित प्रारंभिक रिपोर्ट में कहा गया है कि उन्होंने दुर्घटना स्थल, उपलब्ध साक्ष्य, संबंधित अधिकारियों के बयान, 'डेटा लॉगर' रिपोर्ट और 'स्पीडोमीटर चार्ट' की सावधानीपूर्वक जांच की।

रिपोर्ट में यह निष्कर्ष निकाला गया कि रायगड़ा पैसेंजर ट्रेन (ट्रेन संख्या 08504) ने विशाखापत्तनम पलासा पैसेंजर ट्रेन (ट्रेन संख्या 08532) को पीछे से टक्कर मार दी, क्योंकि रायगड़ा पैसेंजर ट्रेन के चालक दल ने दो खराब ऑटो सिग्नल को पार कर दिया था।

इजराइली सेना उत्तरी गाजा के अंदरुनी इलाकों तक पहुंची

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

खान यूनिस (गाजा पट्टी)/एपी। इजराइली सेना और उसके बख्तरबंद वाहन सोमवार को उत्तरी गाजा पट्टी के और अंदरुनी इलाकों तक पहुंच गए जिसके बाद संयुक्त राष्ट्र और चिकित्सा कर्मियों ने आगाह किया कि अस्पतालों के नजदीक हवाई हमले किए जा रहे हैं जहां हजारों घायलों के साथ ही हजारों फलस्तीनी नागरिकों ने शरण ली हुई है। जमीनी आक्रमण में यह तेजी तब आयी है जब एक दिन पहले खाद्य सामग्री, दवा और अन्य सामान लेकर 33 ट्रकों ने मिस्र से गाजा में प्रवेश किया। इजराइल और हमास के बीच युद्ध शुरू होने के बाद से मानवीय सहायता की यह सबसे बड़ी खेप है। राहत कर्मियों ने सोमवार को कहा कि यह सहायता गाजा में आवश्यकता से बहुत कम है।

हमास ने इजराइल की तीन महिला बंधकों का वीडियो जारी किया

खान यूनिस (गाजा पट्टी)/एपी। फलस्तीन के उग्रवादी संगठन हमास ने सात अक्टूबर को इजराइल पर हमले के दौरान पकड़ी गईं तीन महिला बंधकों को दिखाने के मकसद से एक वीडियो जारी किया है। महिलाओं में से एक ने संभवतः दबाव में बंधक संकट पर इज़राइल की प्रतिक्रिया की आलोचना करते हुए एक संक्षिप्त बयान दिया। हमास के उग्रवादियों ने घातक हमले के दौरान लगभग 240 इजराइली लोगों को बंधक बना लिया था। संगठन ने कहा कि वह इज़राइल द्वारा बंदी बनाए गए हज़ारों फ़लस्तीनी कैदियों के बदले में उन्हें रिहा कर देंगे।

31-10-2023 सूर्यास्त 5:42 बजे	01-11-2023 सूर्योदय 6:02 बजे
BSE 64,112.65 (+329.85)	NSE 19,140.90 (+93.65)
सोना 6,359 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 78,000 रु. प्रति किलो

सांसद के. प्रभाकर रेड्डी पर चाकू से हमला

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना में सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के सांसद एवं दुब्बक विधानसभा क्षेत्र से पार्टी के उम्मीदवार के. प्रभाकर रेड्डी पर सिद्दीपेट जिले में एक व्यक्ति ने चाकू से कथित तौर पर हमला कर दिया। घटना के समय वह प्रचार कर रहे थे। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घटना के बाद आरोपी को हिरासत में ले लिया गया, जिसकी पहचान 38 वर्षीय राजू के रूप में हुई है। इसने बताया कि आरोपी के खिलाफ हत्या का प्रयास के तहत मामला दर्ज किया गया है। मेडक लोकसभा क्षेत्र से सांसद रेड्डी के पेट में चाकू लगने के घाव हैं और उन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

दोषी कौन ?

घोषित अयोग्य जन प्रतिनिधि यदि,
दोषी जनमत या दल सुजान।
आखिर कब होगा सदनों में,
सच्ची शुचिता का प्रावधान।
कानून खिलौना है सबका,
इसलिए खिलंदड़ सब बयान।
हरदम क्यों दिखता लुंजपुंज,
डेमोक्रेसी में संविधान।।

जमरानी परियोजना को केंद्र की मंजूरी मिलना ऐतिहासिकः सतपाल

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड के कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने महत्वपूर्ण जमरानी बांध परियोजना को केंद्रीय कैबिनेट की आर्थिक मामलों की समिति से मंजूरी मिलने को 'ऐतिहासिक' बताते हुए कहा कि करीब पांच दशकों से लंबित पड़ी परियोजना के बनने से हल्द्वानी के आसपास के क्षेत्रों में पेयजल और सिंचाई की समस्या का समाधान हो जाएगा। महाराज ने यहां संवाददाताओं से कहा, 'इस परियोजना पर अब तेजी से काम शुरू हो जाएगा । वित्तीय कारणों की चलते यह परियोजना 1975 से लंबित पड़ी थी। महाराज ने कहा कि इस परियोजना को 2028 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है जिसपर अनुमानित लागत 2584 करोड़ रुपये आएगी।

पच्चीस अक्टूबर को केंद्रीय कैबिनेट की आर्थिक मामलों की समिति ने इस परियोजना को अपनी मंजूरी दे दी थी। नैनीताल जिले में काठगोदाम से कुछ दूर गौला नदी पर 150.60 मीटर की ऊंचाई पर जमरानी बांध का निर्माण प्रस्तावित है। परियोजना से लगभग 1,50,000 हेक्टेयर कृषि योग्य क्षेत्र सिंचाई सुविधा से लाभान्वित होगा । इसके साथ ही इससे हल्द्वानी शहर को वार्षिक 42 मिलियन क्यूबिक मीटर (एमसीएम) पेयजल उपलब्ध कराए जाने तथा 63 मिलियन यूनिट जल विद्युत उत्पादन का प्रावधान है। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (वृहद एवं मध्यम) के अन्तर्गत जमरानी बांध परियोजना के वित्त पोषण के लिए निवेश स्वीकृति मिल चुकी है जबकि जल शक्ति मंत्रालय द्वारा वित्त मंत्रालय के सार्वजनिक निवेश बोर्ड को वित्तीय स्वीकृति के लिए प्रेषित प्रस्ताव पर भी सहमति मिल चुकी है।

कोटद्वार के पास रेलगाड़ी की टक्कर से हाथी की मौत

कोटद्वार/भाषा। उत्तराखंड के कोटद्वार से सटे उत्तर प्रदेश के बिजनौर वन प्रभाग के कौड़िया रेंज में सोमवार तड़के एक नर हाथी की रेलगाड़ी की चपेट में आने से मौत हो गयी। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि रेलगाड़ी ने हाथी को इतनी तेज़ टक्कर मारी कि समीप ही स्थित बिजली का खंभा भी क्षतिग्रस्त हो गया। यह घटना सुबह करीब पांच बजे की है। उन्होंने बताया कि हाथी की उम्र करीब 10 वर्ष थी और घटना कोटद्वार रेलवे स्टेशन से डेढ़ किलोमीटर दूर हुई । बिजनौर वन प्रभाग के उपमंडल अधिकारी राजीव कुमार ने बताया कि कोटद्वार और आनंद विहार टर्मिनल के बीच हाल में ही शुरू हुई एक्सप्रेस रेलगाड़ी कोटद्वार से नजीबाबाद जंक्शन जा रही थी, तभी अचानक रेल की पटरी पर हाथी आ गया । उन्होंने बताया कि रेलगाड़ी की टक्कर से हाथी की मौके पर ही मौत हो गयी । उन्होंने बताया कि डॉक्टरों की तीन सदस्यीय टीम ने हाथी का पोस्टमार्टम किया जिसके बाद उसे सुरक्षित दफना दिया गया । वन अधिकारी ने कहा कि रेल मंत्रालय को पत्र लिखकर पुनः अवगत कराया गया है कि इस क्षेत्र में रेलगाड़ी की गति न्यूनतम रखी जाए ।

नड्डा ने केरल की वाम सरकार पर राज्य में कट्टरपंथ के प्रति "नरम रवैया" अपनाने का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुपनंतपुरम/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने केरल की वाम सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए उस पर राज्य में ''कट्टरपंथ'' के प्रति ''नरम रुख अपनाने'' का सोमवार को आरोप लगाया। नड्डा ने वाम सरकार पर यह भी आरोप लगाया कि जब इस्लामी उग्रवादी समूह हमास के एक नेता ने केरल में आयोजित एक डिजिटल बैठक को संबोधित किया तो वामपंथी सरकार ''मूक दर्शक'' बनी रही।

नड्डा ने भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रित गठबंधन (राजग) के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए यह बात कही। राजग ने राज्य में वाम सरकार के कथित कुशासन के विरोध में केरल सचिवालय के चार में से तीन द्वार अवरुद्ध कर दिए।

नड्डा ने हमास के साथ इजराइल के युद्ध के विरुद्ध हाल में राज्य में एक इस्लामी समूह द्वारा आयोजित कार्यक्रम में हमास नेता खालिद मशाल के डिजिटल माध्यम से जुड़ने का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि उसने अपने संगठन के बारे में खुलकर बात की और वामपंथी सरकार ''मूक दर्शक'' बनी रही। उन्होंने कहा, ''इसका क्या मतलब है? आप 'गॉड्स ऑन कंट्री' (ईश्वर का अपना देश) केरल को बदनाम कर रहे हैं।'' उन्होंने लोगों से सवाल किया कि क्या वे इस प्रकार की चीजों की अनुमति देंगे? उन्होंने एक दिन पहले कोच्चि के निकट कलमश्शेरि में हुए बम धमाकों का भी जिक्र किया, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई। उन्होंने आरोप लगाया कि ''इसकी गहराई तक जाने पर'' यह पता लगाया जा सकता है कि मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा ''कट्टरपंथ को लेकर नरम रुख अपनाने'' के कारण शांतिपूर्ण राज्य में ऐसी स्थिति पैदा हुई है।

नड्डा ने वाम सरकार में कथित भ्रष्टाचार को लेकर उसकी आलोचना की और दावा किया कि केरल में विजयन के नेतृत्व में कुप्रबंधन साफ दिखाई देता है। उन्होंने कहा, ''हम सभी पिनराई विजयन की सरकार के कुशासन की समस्याओं को उठाने, वर्तमान प्रशासन में व्याप्त घोटालों और भ्रष्टाचार पर बात करने के लिए यहां एकत्र हुए हैं। हमारा सामूहिक लक्ष्य केरल में समृद्धि, विकास और सुशासन लाने के हमारे प्रयासों में एकजुटता प्रदर्शित करना है।'' उन्होंने आगे कहा कि 'धरना' विजयन सरकार के प्रति लोगों के कथित असंतोष को व्यक्त करने के लिए एक मंच है। उन्होंने दावा किया कि विजयन सरकार हताश और नीतिगत रूप से पंगुहै।

18 साल का भाजपा शासन घोटालों और भारी कर्ज के बोझ से भरा रहा: कांग्रेस

भोपाल/भाषा। कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने सोमवार को कहा कि मध्य प्रदेश में भाजपा के 18 साल के शासनकाल में 250 से अधिक घोटाले हुए हैं और समाज का कोई भी वर्ग इससे नहीं बच पाया है।

कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मध्य प्रदेश को कर्ज के सागर में धकेल दिया है और राज्य में जन्म लेने वाले प्रत्येक बच्चे पर 40,000 रुपये का कर्ज है। मध्य प्रदेश में 17 नवंबर को विधानसभा चुनाव होने हैं। उन्होंने आरोप लगाया, '' करोड़ों रुपये के प्रवेश और भर्ती घोटाले, व्यापमं सहित 250 से अधिक घोटालों ने युवाओं का भविष्य बर्बाद कर दिया है। पटवारी भर्ती (घोटाला), स्कूल ड्रेस (खरीद) में 43 लाख बच्चों से जुड़ी अनियमितताएं और भाजपा के 18 साल के शासन में मप्र में 50,000 फर्जी विवाह सामने आए हैं। किसी भी क्षेत्र को नहीं बख्शा गया है।

उन्होंने दावा किया, '' 2023-24 के बजट में राज्य का कर्ज और अन्य देनदारियां बढ़कर 4,22,009.37 करोड़ रुपये हो गई हैं। इसका मतलब है कि मप्र का प्रति व्यक्ति ऋण लगभग 40,000 रुपये है और ऋण की वृद्धि दर राज्य की राजस्व प्राप्तियों की वृद्धि दर से अधिक है। उन्होंने कहा, मप्र के लोग कमलनाथ के नेतृत्व में कांग्रेस सरकार के गठन की उम्मीद कर रहे हैं क्योंकि वे जानते हैं कि वह सर्वांगीण विकास लाएंगे और निवेश भी लाएंगे। मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव के नतीजे तीन दिसंबर को घोषित किए जाएंगे।

'दुनियाभर में 650 अरब डॉलर की मादक पदार्थ तस्करी'

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के चेयरमैन संजय कुमार अग्रवाल ने मादक पदार्थों का वैश्विक अवैध कारोबार 650 अरब डॉलर पर पहुंचने का जिक्र करते हुए सोमवार को कहा कि अंतरराष्ट्रीय सीमा-शुल्क अधिकारियों को इन अपराधों का पता लगाने वाली उन्नत तकनीकें एवं जानकारी साझा करनी चाहिए। अग्रवाल ने यहां राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) की तरफ से 'प्रवर्तन मुद्दों में सहयोग' विषय पर एक वैश्विक सम्मेलन में कहा कि नशीले पदार्थों का गैरकानूनी कारोबार अब भी मजबूती से जारी है। उन्होंने कहा, ''इनकी तस्करी का आकार करीब 650 अरब डॉलर है जो कुल अवैध अर्थव्यवस्था का 30 प्रतिशत है। इसका विनाशकारी प्रभाव पड़ रहा है।'' सीबीआईसी प्रमुख ने कहा कि गैरकानूनी कारोबार से जुड़े अपराधों का संबंध कई बार धनशोधन एवं आतंकवादी गतिविधियों के वित्तपोषण से भी होता है जो राष्ट्रीय सुरक्षा पर असर डालते हैं। उन्होंने कहा, ''निर्यात-आयात धोखाधड़ी से वैश्विक आपूर्ति शृंखला को खतरा होने की बात हम समझते हैं और यह आर्थिक एवं राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी हानिकारक है। इस तरह हम अंतरराष्ट्रीय सिंडिकेट को हराने के लिए मिलकर काम करते हैं। इसके लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों के सहयोग एवं समन्वय की निरंतर जरूरत है।

जम्मू-कश्मीर के डीजीपी ने पुलिसकर्मियों से कहा : सतर्क रहें

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) दिलबाग सिंह ने सोमवार को कहा कि खतरा अभी भी बरकरार है और पुलिसकर्मियों को श्रीनगर के एक मैदान में क्रिकेट खेलते समय एक पुलिस अधिकारी पर हमले जैसी घटनाओं को लेकर सतर्क एवं सावधान रहना होगा। श्रीनगर के एक क्रिकेट मैदान में क्रिकेट खेलने के दौरान लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादियों ने जम्मू-कश्मीर पुलिस में निरीक्षक मसरूर अहमद वानी को रविवार को गोली मार दी थी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

डीजीपी सिंह ने एक कार्यक्रम से इतर संवाददाताओं से बातचीत में कहा, हमें सतर्क रहना होगा। आसपास अभी भी खतरा बरकरार है; हम इन्हें हल्के में नहीं ले सकते। हमें सावधान रहना होगा, हमें सतर्क रहना होगा। मैं प्रार्थना करता हूं कि वह (वानी) जल्द ठीक हो जाएं। उन्होंने बताया कि आतंकवादियों ने पुलिसकर्मी पर उस समय हमला किया, जब वह क्रिकेट मैच खेल रहे थे। सिंह ने कहा, हमारे एक अधिकारी लोगों के साथ घुलने मिलने, क्रिकेट खेलने गये थे। वह अधिकारियों की एक टीम के साथ क्रिकेट मैदान में खेल रहे थे। उन्हें (राष्ट्र-विरोधी तत्वों) गोली मार दी। वह घायल हैं, वह ठीक हो रहे हैं, वह अस्पताल में हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या पाकिस्तान आगामी चुनावों के मद्देनजर माहौल को खराब करने की कोशिश करेगा, सिंह ने इस्लामाबाद का नाम लिए बिना कहा कि पड़ोसी देश ने हमेशा जम्मू-कश्मीर में शांति भंग करने का प्रयास किया है।

नागरिकों को राजनीतिक दलों के चंदे का स्रोत जानने का अधिकार नहीं : अटार्नी जनरल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अटार्नी जनरल आर. वेंकटरमणी ने उच्चतम न्यायालय से कहा है कि राजनीतिक दलों को चुनावी बॉंड योजना के तहत मिलने वाले चंदे के स्रोत के बारे में नागरिकों को संविधान के अनुच्छेद 19 (1) (ए) के तहत सूचना पाने का अधिकार नहीं है।

वेंकटरमणी ने राजनीतिक वित्त पोषण के लिए चुनावी बॉंड योजना से राजनीतिक दलों को 'क्लीन मनी' मिलने का उल्लेख करते हुए यह कहा। शीर्ष न्यायालय में दाखिल की गई एक दलील में वेंकटरमणी ने कहा कि तार्किक प्रतिबंध की स्थिति नहीं होने पर ''किसी भी चीज और प्रत्येक चीज'' के बारे में जानने का अधिकार नहीं हो सकता।

अटार्नी जनरल ने शीर्ष न्यायालय से कहा, ''जिस योजना की बात की जा रही है वह अंशदान करने वाले को गोपनीयता का लाभ देती है। यह इस बात को सुनिश्चित और प्रोत्साहित करती है कि जो भी अंशदान हो, वह काला धन नहीं हो। यह कर दायित्वों का अनुपालन सुनिश्चित करती है। इस तरह, यह किसी मौजूदा अधिकार से टकराव की स्थिति उत्पन्न नहीं करती।'' शीर्ष विधि अधिकारी ने कहा कि न्यायिक पुनर्विचार की शक्ति, बेहतर या अलग सुझाव देने के उद्देश्य से सरकार की नीतियों की पड़ताल करने के संबंध में नहीं है। उन्होंने कहा, ''एक संवैधानिक न्यायालय सरकार के कार्य की तभी समीक्षा करता है जब यह मौजूदा अधिकारों का हनन करता हो...।'' वेंकटरमणी ने कहा, ''राजनीतिक दलों को मिलने वाले इन चंदों या अंशदान का लोकतांत्रिक महत्व है और यह राजनीतिक बहस के लिए एक उपयुक्त विषय है। प्रभावों से मुक्त शासन की जवाबदेही की मांग करने का यह मतलब नहीं है कि न्यायालय एक स्पष्ट संवैधानिक कानून की अनुपस्थिति में इस तरह के विषयों पर आदेश देने के लिए आगे बढ़ेगा।'' उच्चतम न्यायालय के पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ याचिकाओं के उस समूह पर 31 अक्टूबर से सुनवाई शुरू करने वाली है, जिनमें पार्टियों के लिए राजनीतिक वित्त पोषण की चुनावी बॉंड योजना की वैधता को चुनौती दी गई है। सरकार ने यह योजना दो जनवरी 2018 को अधिसूचित की थी। इस योजना को राजनीतिक वित्त पोषण में पारदर्शिता लाने की कोशिशों के हिस्से के रूप में पार्टियों को नकद चंदे के एक विकल्प के रूप में लाया गया। इस योजना के प्रावधानों के अनुसार, चुनावी बॉंड भारत का कोई भी नागरिक या भारत में स्थापित संस्था खरीद सकती है।

खाद्य पदार्थों की बर्बादी रोकने के लिए प्रौद्योगिकियों का इस्तेमाल हो: करंदलाजे

नई दिल्ली/भाषा। कृषि राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे ने करीब तीन अरब टन खाद्य पदार्थ की वैश्विक स्तर पर बर्बादी रोकने के लिए सोमवार को विकसित और विकासशील देशों की प्रौद्योगिकियों का इस्तेमाल करने पर जोर दिया। करंदलाजे ने दक्षिण एशियाई क्षेत्र में भोजन की हानि और बर्बादी रोकने पर आयोजित एक कार्यशाला में कहा कि विभिन्न हितधारकों के बीच जागरुकता फैलाने में सामाजिक संगठनों को महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की जरूरत है और भोजन की बर्बादी को कम करने के तौर-तरीके अपनाने का भी प्रयास करना चाहिए। एक सरकारी बयान के अनुसार, कृषि राज्य मंत्री ने कहा कि दक्षिण एशिया भोजन का एक प्रमुख उत्पादक और उपभोक्ता क्षेत्र है और भोजन का नुकसान और बर्बादी को कम करना नैतिक जिम्मेदारी और आर्थिक जरूरत दोनों है। उन्होंने कहा कि भोजन की बर्बादी न केवल उपभोक्ताओं के लिए सीधा नुकसान है, बल्कि इसका पर्यावरण और सहायक अर्थव्यवस्थाओं पर भी असर पड़ता है। करंदलाजे ने सभी हितधारकों के बीच भोजन की बर्बादी रोकने के लिए शिक्षा और जागरुकता बढ़ाने, कुशल कटाई और भंडारण, स्मार्ट वितरण, उद्योग की भागीदारी, दान और खाद्य बैंक, खाद्य पैकेजिंग आदि में नवाचार का भी आह्वान किया।

विजयन के नेतृत्व में केरल का कट्टरपंथी तत्वों के प्रति नरम रुख : केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि (केरल)/भाषा। केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने सोमवार को आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के नेतृत्व में केरल का कट्टरपंथी तत्वों एवं कट्टरपंथ के प्रति नरम रुख रहा है। यहां कलमस्सेरी में एक धार्मिक आयोजन के दौरान हुए विस्फोट को लेकर अपने सोशल मीडिया पोस्ट में विजयन की आलोचना किए जाने पर, एक दिन पहले मुख्यमंत्री ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता की निंदा की थी, जिसके बाद इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री ने मुख्यमंत्री पर पलटवार किया।

भाजपा नेता के पोस्ट को उनके सांप्रदायिक रुख का हिस्सा बताते हुए विजयन ने चंद्रशेखर का नाम लिए बगैर यह जानना चाहा कि केंद्रीय मंत्री ने किस सूचना के आधार पर उनके खिलाफ इस तरह की टिप्पणी की और जिम्मेदार पद पर बैठा कोई व्यक्ति कैसे इस तरह के बयान दे सकता है जबकि विस्फोट मामले की जांच जारी है। विजयन ने तिरुवनंतपुरम में सचिवालय परिसर में आयोजित संक्षिप्त संवाददाता सम्मेलन के दौरान आरोप लगाया था कि भाजपा नेता के बयान पूरी तरह से सांप्रदायिक नजरिए की झलक पेश करते हैं। मुख्यमंत्री की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए चंद्रशेखर ने स्पष्ट किया कि उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने पोस्ट में किसी समुदाय का जिक्र नहीं किया है। उन्होंने तर्क दिया, ''मैंने हमास के बारे में बात की और ऐसा प्रतीत होता है कि मुख्यमंत्री हमास और हमारे राज्य एवं देश के मुस्लिम भाइयों एवं बहनों को एक समान बताने की कोशिश कर रहे हैं।''

इलेक्ट्रिक वाहनों का उत्पादन बढ़ाने की कोशिशों में जुटे दक्षिण-पूर्व एशियाई देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कुआलालंपुर/360 इंफो। दक्षिण-पूर्व एशिया इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की मांग और उत्पादन में तेजी लाने की कोशिशों में जुटा है। इस क्षेत्र में परिवहन संबंधी 89 फीसदी प्रदूषण के लिए पेट्रोल-डीजल वाहन जिम्मेदार हैं। ऐसे में ईवी को न केवल कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने के उपाय के रूप में देखा जा रहा है, बल्कि इसे निवेश को बढ़ावा देने के नये जरिये के तौर पर भी लिया जा रहा है, ताकि ज्यादा नौकरियां पैदा करने, मजबूत आर्थिक विकास और प्रौद्योगिकी संबंधी बढ़त हासिल करने में मदद मिल सके।

इंडोनेशिया, मलेशिया, थाईलैंड और वियतनाम इस दिशा में सबसे आगे हैं। लेकिन यह सफर काफी लंबा होने वाला है, क्योंकि ईवी का बाजार अभी भी काफी कम है। दक्षिण-पूर्व एशिया में 2022 में खरीदे गए कुल वाहनों में महज 2.1 फीसदी ईवी थे। भारत में यह आंकड़ा 2.3 फीसदी और चीन में 29 फीसदी था। इलेक्ट्रिक वाहनों को चार्ज करने के लिए बुनियादी ढांचे का धीमा विकास और ईवी की अपेक्षाकृत उच्च लागत के कारण इसका बाजार अभी मंदा है। यह हालत तब है, जब प्रत्येक देश ईवी की कीमत कम करने के लिए उपभोक्ताओं सब्सिडी और कर में छूट जैसे लाभ दे रहे हैं। माना जा रहा है कि देश में ही इलेक्ट्रिक वाहनों और उनके कलपुर्जों के निर्माण से उद्योग में तेजी लाई जा सकती है।

उदाहरण के लिए, इंडोनेशिया कीमतों में कमी लाने के लिए वाहनों को इलेक्ट्रिक में तब्दील करने की लागत पर सब्सिडी दे रहा है, स्थानीय स्तर पर वाहनों के निर्माण को प्रोत्साहित कर रहा है और ज्यादा से ज्यादा चार्जिंग स्टेशन स्थापित कर रहा है। ईवी उत्पादन में सबसे अहम बैटरी है। इसलिए देश अपने ईवी बैटरी उद्योग पर भी तेजी से काम कर रहे हैं। इंडोनेशिया अपने बड़े निकल भंडार के कारण इस दौड़ में सबसे आगे है। हालांकि, नई ईवी बैटरी भी विकसित की जा रही है, जो कि निकल के उपयोग को कम कर देगी और आसानी से उपलब्ध होगी। साथ ही इसकी कीमत भी कम होगी।

बैटरी बदलने की सुविधा चार्जिंग के बुनियादी ढांचे की कमी को पूरा कर सकती है और इससे बैटरी चार्ज करने में लगने वाले समय की भी बचत होगी। खासकर, बाइक के लिए यह सबसे कारगर साबित हो सकती है। कुछ देशों में कई बड़ी कंपनियां बैटरी बदलने की सुविधा उपलब्ध करा रही हैं। इनमें इंडोनेशिया की 'स्वैप एनर्जी', मलेशिया की 'ब्लूशार्क इकोसिस्टम', थाईलैंड की 'स्वैप एंड गो' और वियतनाम की 'सेलेक्स मोटर्स' शामिल हैं। जर्मनी की 'इनफिनियन टेक्नोलॉजी' ईवी बैटरी के उत्पादन के लिए मलेशिया में एक संयंत्र स्थापित कर रही है।

दादी और पिता की हत्या के बाद भी देश के प्रति विश्वास कभी नहीं डिगा : प्रियंका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बिलासपुर/भाषा। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाद्रा ने सोमवार को अपनी दादी इंदिरा गांधी और पिता राजीव गांधी को याद करते हुए सोमवार को कहा कि उन्होंने उनके दिल में देशभक्ति की भावना इस तरह पैदा की कि उनकी हत्या के बाद भी देश के प्रति उनका विश्वास कभी नहीं डिगा।

चुनावी राज्य छत्तीसगढ़ के बिलासपुर शहर में एक रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कांग्रेस में 'परिवारवाद' का आरोप लगाए जाने पर राजनीतिक विरोधियों की भी आलोचना की और कहा, 'यह परिवारवाद नहीं है, बल्कि यह राष्ट्र के प्रति भक्ति और लोगों पर विश्वास है।' उन्होंने इंदिरा गांधी की हत्या के दौरान घटी घटनाओं को याद करते हुए कहा, '..हमारी दादी सिर्फ हमारी दादी नहीं, बल्कि एक महान शख्सियत थीं। कोई उसे इस तरह इतनी बेरहमी से कैसे मार सकता है? मैं अक्सर सोचती हूं कि उन्होंने हमारे दिलों में देशभक्ति की कैसी भावना पैदा की होगी कि इतनी हिंसक घटना के बावजूद देश के प्रति हमारा विश्वास एक मिनट या एक सेकंड के लिए भी नहीं डिगा।' उन्होंने कहा, 'जब मैं 19 साल की थी, तब मेरे पिता के साथ भी ऐसी ही घटना घटी थी, लेकिन फिर भी देश के प्रति हमारी आस्था और देशभक्ति बरकरार रही।' गांधी ने कहा, 'मैं ये सब बातें इसलिए कह रही हूं, क्योंकि जब हम नेहरू जी, इंदिरा जी और राजीव जी की बात करते हैं, तो हमारी आलोचना करने वाले लोग तुरंत 'परिवारवाद' का मुद्दा उठा देते हैं। मैं आपको बताना चाहती हूं कि यह परिवारवाद नहीं है, बल्कि यह देश के प्रति भक्ति है, जिसे तोड़ा नहीं जा सकता। यह लोगों, किसानों के प्रति आस्था है...चाहे आप (विरोधी) कुछ भी कहें, आप इस आस्था और देशभक्ति को कभी नहीं तोड़ पाएंगे।'

ई-कॉमर्स वार्ता में क्रिप्टो करेंसी पर चर्चा करें डब्ल्यूटीओ के सदस्य देश : जीटीआरआई

नई दिल्ली/भाषा। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के सदस्य देशों को ई-कॉमर्स क्षेत्र पर वार्ता में क्रिप्टो करेंसी के मुद्दे को शामिल करना चाहिए। शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने यह सुझाव दिया है। जीटीआरआई ने कहा कि अब क्रिप्टो बाजार वैश्विक स्तर पर ध्यान खींच रहा है। वहीं डब्ल्यूटीओ के ई-कॉमर्स ढांचे के तहत इसका वर्गीकरण अब भी अस्पष्ट है। इसमें कहा गया है कि बहस इस बात पर केंद्रित होनी चाहिए कि क्या क्रिप्टो-मुद्रा का आदान-प्रदान ई-कॉमर्स के तहत 'इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसमिशन' के अंतर्गत आता है। जीटीआरआई के सह-संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा कि मौजूदा डब्ल्यूटीओ वार्ता के नतीजे वैश्विक डिजिटल व्यापार के लिए महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि क्रिप्टो करेंसी को शामिल करने या बाहर करने और प्रभावशाली देशों का रुख भविष्य की अंतरराष्ट्रीय ई-कॉमर्स नीतियों को आकार देगा।

गुरदासपुर में व्यक्ति की मौत के बाद मान ने 'ट्रैक्टर स्टंट' पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने ट्रैक्टर से स्टंट (ट्रैक्टर से करतब दिखाने) करने पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने गुरदासपुर जिले में एक ग्रामीण खेल कार्यक्रम में ट्रैक्टर से करतब दिखाने के दौरान 29 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत होने के बाद यह घोषणा की। इस घटना का वहां मौजूद कुछ दर्शकों ने वीडियो बना लिया था और उसे ऑनलाइन साझा किया। इस पर कुछ लोगों ने ऐसे खतरनाक स्टंट पर प्रतिबंध लगाने की मांग शुरू कर दी। ट्रैक्टर से करतब दिखाने का खेल पंजाब के ग्रामीण इलाकों में खेल आयोजनों में एक आम बात है।

भगवंत मान ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, '' प्रिय पंजाबियों, ट्रैक्टर को खेतों का राजा कहा जाता है। इसे मृत्यु का दूत मत बनाओ। पंजाब में ट्रैक्टर और संबंधित उपकरणों के साथ किसी भी तरह के स्टंट (करतब) या खतरनाक प्रदर्शन पर प्रतिबंध लगाया जा रहा है...इस बारे में बाकी विवरण जल्द ही जारी किया जाएगा।'' सुखमनदीप सिंह शनिवार को फतेहगढ़ चूड़ियां के सरचुर गांव में एक मेले में ट्रैक्टर से करतब दिखा रहे थे, तभी यह हादसा हुआ। सुखमनदीप करतब दिखाने के दौरान एक ट्रैक्टर पर चढ़ने की कोशिश कर रहा था जब ट्रैक्टर अपने पिछले टायरों पर खड़ा था और उसका इंजन घूम रहा था। इस दौरान सुखमनदीप का एक पैर कीचड़ में फंस गया और वह गिर पड़े तथा ट्रैक्टर की चपेट में आ गए। सुखमनदीप को एक अस्पताल ले जाया गया लेकिन उनकी मौत हो गई। ऐसे आयोजनों में करतब दिखाने वाले युवाओं को न केवल नकद पुरस्कार मिलते हैं, बल्कि उन्हें लोकप्रियता भी मिलती है और कुछ तो अपने वीडियो सोशल मीडिया मंच पर भी पोस्ट करते हैं।

स्टालिन ने राज भवन पर पेट्रोल बम मामले पर झूठ फैलाने का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरै। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने सोमवार को राज भवन पर पेट्रोल बम मामले पर 'झूठ फैलाने' का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मोलोटोव कॉकटेल राज भवन के भीतर नहीं बल्कि राज्यपाल आर एन रवि के आवास के बाहर 'सड़क' पर फेंका गया था।

स्टालिन ने आरोप लगाया कि यह शर्मनाक है कि राज्यपाल रवि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रतिनिधि बन गए हैं और राज भवन भारतीय जनता पार्टी के कार्यालय में बदल गया है। स्टालिन ने मदुरै के समीप रामनाथपुरम जिले के पसुम्पन में स्वतंत्रता सेनानी मुथुरामलिंग थेवर के स्मारक पर श्रद्धांजलि देने के बाद यह टिप्पणी की। 30 अक्टूबर को थेवर जयंती के रूप में मनाया जाता है।

द्रमुक नेता ने एक सवाल पर पत्रकारों को बताया कि पुलिस अधिकारियों ने यह साबित करने के लिए कुछ दिन पहले सीसीटीवी फुटेज जारी किया था कि पेट्रोल बम सड़क पर गिरा था।

पुलिस के अनुसार, तमिलनाडु के राजभवन के मुख्य द्वार के सामने 25 अक्टूबर को 42 वर्षीय एक व्यक्ति ने पेट्रोल बम फेंका था। बम फटा नहीं था और मुख्य द्वार के बाहर एक अवरोधक के समीप गिरा था। यहां एक हवाई अड्डे का नाम थेवर के नाम पर रखने के सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि विषय को केंद्र के समक्ष उठाया गया है।

श्रीलंकाई नौसेना द्वारा तमिलनाडु के मछुआरों की गिरफ्तारी पर उन्होंने कहा कि यह जारी है।

37 मछुआरों की गिरफ्तारी की पृष्ठभूमि में स्टालिन ने कहा कि उन्होंने विदेश मंत्री एस जयशंकर को फौरन पत्र लिखा।

राजभवन पेट्रोल बम मामला : आरोपी तीन दिन की पुलिस हिरासत में भेजा गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर की एक अदालत ने सोमवार को करुक्का विनोद को तीन दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया जिसे पिछले हफ्ते यहां राजभवन के मुख्य द्वार के बाहर पेट्रोल बम फेंकने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट चतुर्थ, सैदापेट ने पुलिस द्वारा दायर एक आवेदन पर यह आदेश दिया।

विनोद को गत बुधवार को गिरफ्तार किया गया था जब उसने कथित तौर पर पेट्रोल बम फेंका था जो राजभवन के मुख्य द्वार के बाहर गिरा था। उसके खिलाफ पहले से ही कई मामले दर्ज हैं।

श्रद्धांजलि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सोमवार को मदुरै जिले के पसूनपोंल में तमिलनाडु के स्वतंत्र सेनानी और धर्म गुरु पसुम्पोन मुथुरामलिंगम थेवर की जन्म जयंती के अवसर गुरु पूजा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत, प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष अनामलइई और अन्य ने थेवर के मंदिर में पूजा अर्चना कर के उनको श्रद्धांजलि अर्पित की।

दक्षिण रेलवे की ट्रेन सेवाओं के पैटर्न में बदलाव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दक्षिण रेलवे से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार गत 29 अक्टूबर को ईस्ट कोस्ट रेलवे में वाल्टेयर डिवीजन के विशाखापत्तनम-भुवनेश्वर खंड में अलामंदा और कंकटपल्ली के बीच ट्रेन दुर्घटना के कारण, कई ट्रेन सेवाओं के पैटर्न में परिवर्तन किया गया है।

ट्रेन रद्द : ट्रेन नंबर 22860 डॉ एमजीआर चेन्नई सेंट्रल-पुरी साप्ताहिक एक्सप्रेस जो आज 30 अक्टूबर को 16.25 बजे प्रस्थान करने वाली थी, पूरी तरह से रद्द कर दी गई है।

ट्रेन नंबर 22808 डॉ एमजीआर चेन्नई सेंट्रल - संतरागाछी सुपरफास्ट एक्सप्रेस जो 29 अक्टूबर को 08.10 बजे डॉ एमजीआर चेन्नई सेंट्रल से रवाना हुई थी, उसे थाडी, विजयवाड़ा, नागपुर, रायपुर, झारसुगुड़ा, खड़गपुर के रास्ते चलाया जाएगा।

ट्रेन संख्या 22641 तिरुवनंतपुरम सेंट्रल - शालीमार द्वि-साप्ताहिक एक्सप्रेस जो 28 अक्टूबर को 16.55 बजे तिरुवनंतपुरम सेंट्रल से रवाना हुई, उसे नरसीपट्टनम रोड, विजयवाड़ा, नागपुर, रायपुर, झारसुगुड़ा, खड़गपुर के रास्ते चलाया जाएगा।

ट्रेन नंबर 12841 शालीमार - डॉ एमजीआर चेन्नई सेंट्रल कोरोमंडल एक्सप्रेस जो 29 अक्टूबर को 15.25 बजे शालीमार से रवाना हुई थी, उसे विजयनगरम, टिटिलागढ़ , रायपुर, नागपुर, काजीपेट और विजयवाड़ा के रास्ते चलाया जाएगा।

ट्रेन नंबर 12842 डॉ एमजीआर चेन्नई सेंट्रल - शालीमार कोरोमंडल एक्सप्रेस जो 29 अक्टूबर को 07.00 बजे डॉ एमजीआर चेन्नई सेंट्रल से रवाना हुई थी, उसे विशाखापत्तनम, विजयवाड़ा, नागपुर, रायपुर, झारसुगुड़ा, खड़गपुर के रास्ते चलाया जाएगा।

ट्रेन नंबर 12504 अगरतला - एसएमवीटी बेंगलूरु हमसफर एक्सप्रेस (पेरंबूर, काटपाडी के रास्ते चलने वाली) जो 29 अक्टूबर को 05.30 बजे अगरथला से रवाना हुई थी, उसे विजयनगरम, टिटिलागढ़, रायपुर, नागपुर, काजीपेट और विजयवाड़ा के रास्ते खड़गपुर के रास्ते चलाने के लिए डायवर्ट किया गया है।

ट्रेन नंबर 13351 धनबाद - अलाप्पुझा एक्सप्रेस जो 29 अक्टूबर को 11.35 बजे धनबाद से रवाना हुई, उसे झारसुगुड़ा, रायपुर, नागपुर, काजीपेट और विजयवाड़ा के रास्ते चलाया जाएगा।

ट्रेन नंबर 12835 हटिया - एसएमवीटी बेंगलूरु एक्सप्रेस (काटपाडी, जोलारपेट्टई के रास्ते चलने वाली) जो 29 अक्टूबर , 2023 को 18.20 बजे हटिया से रवाना हुई, उसे झारसुगुड़ा, रायपुर, नागपुर, काजीपेट और विजयवाड़ा के रास्ते चलाया जाएगा।

ट्रेन नंबर 22852 मंगलूरु सेंट्रल-संतरागाछी विवेक सुपरफास्ट एक्सप्रेस जो 28 अक्टूबर को 23.00 बजे मंगलुरु सेंट्रल से रवाना हुई, उसे विजयवाड़ा, नागपुर, रायपुर, झारसुगुड़ा, खड़गपुर के रास्ते चलाया जाएगा।

ट्रेन नंबर 12864 एसएमवीटी बेंगलूरु - हावड़ा एक्सप्रेस (जोलारपेट्टई, काटपाडी के रास्ते चलने वाली) जो 29 अक्टूबर को 10.35 बजे एसएमवीटी बेंगलुरु से रवाना हुई, उसे विजयवाड़ा, नागपुर, रायपुर, झारसुगुड़ा और खड़गपुर के रास्ते चलने के लिए डायवर्ट किया गया है।

कई ट्रेनों को पुनर्निर्धारित किया गया है। जिसमें ट्रेन नंबर 12842 डॉ एमजीआर चेन्नई सेंट्रल - कोरोमंडल एक्सप्रेस, ट्रेन नं. 13352 अलाप्पुझा - धनबाद एक्सप्रेस आदि शामिल हैं। अधिक जानकारी के लिए रेलवे के हेल्पलाइन नं. 139 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

अधिकारियों से जुड़े 75 स्थानों पर कर्नाटक लोकायुक्त की छापेमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक लोकायुक्त ने कई सरकारी अधिकारियों पर भ्रष्टाचार के जरिए आय से अधिक संपत्ति जमा करने के संबंध में जानकारी मिलने के बाद सोमवार को राज्य भर में 75 स्थानों पर छापेमारी की। छापेमारी बेंगलूरु, चित्रदुर्गा, बेलगावी, बीदर और हावेरी जिलों सहित कई स्थानों पर हो रही है। सूत्रों ने बताया कि छापेमारी वन विभाग सहित विभिन्न सरकारी विभागों से जुड़े अधिकारियों पर की गई। आवासों, फार्म हाउसों, कार्यालयों और कारखानों पर छापेमारी और तलाशी चल रही है। बेंगलूरु में, शहर के विभिन्न इलाकों में 9 स्थानों पर चंद्रप्पा बिराजनवार के आवासों पर छापे मारे गए। चंद्रप्पा वर्तमान में सहायक राजस्व अधिकारी (एआरओ) के पद पर कार्यरत हैं। अधिकारियों को जानकारी मिली कि उन्होंने कथित तौर पर अपनी आय से अधिक संपत्ति अर्जित की है। सूत्रों ने बताया कि चंद्रप्पा को पहले लोकायुक्त अधिकारियों ने 60,000 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा था।

हावेरी में सहायक वन संरक्षक (एसीएफ) नागेंद्र नाइक के आवास पर छह सदस्यीय लोकायुक्त टीम ने छापा मारा। सूत्रों ने बताया कि उनके घर पर 400 ग्राम सोना, 1.5 लाख रुपये नकद मिले हैं। लोकायुक्त सूत्रों ने बताया कि अधिकारियों को छापेमारी में सोना, कीमती सामान, संपत्तियों के दस्तावेज और नकदी मिली है।

लोकायुक्त सूत्रों ने यह जानकारी देते हुए बताया कि छापेमारी के दौरान भारी नकदी, सोना, अचल संपत्ति, महंगे वाहन, जमीन में निवेश और महंगे गैजेट आदि का पता चला। लोकायुक्त के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि लोकायुक्त पुलिस के कई दलों ने क्षेत्राधिकार पुलिस की सहायता से तड़के छापेमारी की। पुलिस महानिरीक्षक (लोकायुक्त) डॉ. ए सुब्रमण्यहवारा ने बताया, हमने पूरे कर्नाटक में लोक सेवकों के खिलाफ 17 मामले दर्ज किए हैं। यह छापेमारी 70 स्थानों पर जारी है।

चार करोड़ की चोरी

बेंगलूरु। यहां महालक्ष्मी लेआउट थाना क्षेत्र में एक उद्यमी ने अपनी शिकायत में बताया कि उसके घर से चार करोड़ रुपए मूल्य के सोने, चांदी के आभूषण एवं बेशकीमती वस्तुएं तथा नकद की चोरी हो गई है। एक शिकायत में ब्रह्मी नामक एक उद्यमी ने पुलिस को बताया कि उसका घर महालक्ष्मी लेआउट में है और वह फिल्म निर्माता एवं अभिनेता रॉकलाइन वेंकटेश का भाई है। गत दिनों वह अपने परिवार के साथ विदेश यात्रा पर था। घर पर सुरक्षा की जिम्मेदारी अपने सिक्युरिटी गार्ड को सौंपकर सभी यात्रा पर निकले थे। कल जब वह आए तो देखा कि छत पर बने एक रूम का दरवाजा तोड़कर घर में अंदर दाखिल हुए अज्ञात लोगों ने कमरे में रखे सैफ से छेड़छाड़ की और उसमें रखे नकद, आभूषण और अन्य वस्तुए लेकर चले गए। सोमवार को अपनी शिकायत में बताया कि सिक्युरिटी गार्ड भी गायब है।

भाजपा विधायक जारकीहोली ने सरकार गिराने के प्रयास संबंधी कांग्रेस के दावे को खारिज किया

बेलगावी। कर्नाटक में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक और पूर्व मंत्री रमेश जारकीहोली ने कांग्रेस के इस आरोप को खारिज कर दिया कि 2019 में जनता दल (एस)-कांग्रेस गठबंधन सरकार को गिराने वाले एक बार फिर सक्रिय हो गए हैं और सत्तारूढ़ पार्टी के विधायकों को रिश्वत की पेशकश कर रहे हैं। जारकीहोली, पूर्व में कांग्रेस से जुड़े थे और चार साल पहले गठबंधन सरकार के गिरने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका देखी गई थी। उन्होंने कहा कि भाजपा कभी भी 'ऑपरेशन लोटस' के बारे में बात नहीं करती', इसके बजाय, उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार की ''ड्रामा कंपनी'' इस बारे में बात कर रही है।

जारकीहोली ने कहा, ''यह डी के शिवकुमार की ड्रामा कंपनी है जो ऑपरेशन लोटस' और 50 करोड़ रुपये की रिश्वत के बारे में बात कर रही है। हम भाजपा के लोग कभी भी 'ऑपरेशन लोटस' के बारे में बात नहीं करते हैं और न ही ऐसा करेंगे।''

यह स्वीकार करते हुए कि पूर्व में एच डी कुमारस्वामी नीत जद (एस) और कांग्रेस सरकार को सत्ता से हटाने की जरूरत थी, जारकीहोली ने कहा, 2019 में जरूरत थी, इसलिए हमने ऐसा किया। वह भी भाजपा ने नहीं बल्कि जारकीहोली एंड कंपनी ने किया था। न तो भाजपा ने हमें पैसा दिया और न ही लालच दिया। जारकीहोली ने कहा, हमने डी के शिवकुमार की तानाशाही प्रवृत्ति के कारण बगावत करते हुए सरकार गिरा दी।

सुनवाई

बेंगलूरु में सोमवार को मुख्यमंत्री सिद्दरामैया होम ऑफिस कृष्णा में जनता की बातें सुनते हुए।

सीडब्ल्यूआरसी ने कर्नाटक से 1-15 नवंबर के दौरान 2,600 क्यूसेक पानी का प्रवाह सुनिश्चित करने को कहा

बेंगलूरु/नई दिल्ली। कावेरी जल विनियमन समिति (सीडब्ल्यूआरसी) ने सोमवार को कर्नाटक से यह सुनिश्चित करने की सिफारिश की कि एक से 15 नवंबर तक तमिलनाडु के बिलिगुंडलू तक न्यूनतम 2,600 क्यूसेक पानी का प्रवाह हो। सीडब्ल्यूआरसी की एक बैठक के एक बयान के अनुसार, कर्नाटक ने कहा कि उसके चार जलाशयों में लगभग शून्य प्रवाह के मद्देनजर, राज्य बिलिगुंडलू तक पहुंचाने के लिए पानी छोड़ने में सक्षम नहीं होगा, सिवाय इसके कि अनियंत्रित जलग्रहण क्षेत्र से योगदान दिया जाएगा।

बेंगलूरु के बस कोच वर्क्स में आग लगने से वहां खड़ी 22 बसें जलीं

बेंगलूरु। बेंगलूरु में सोमवार को बस कोच वर्क्स में आग लगने से वहां खड़ी 22 निजी बसें जल गईं। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आग उस समय लगी जब वीरभद्र नगर में एसवी कोच वर्क्स में खड़ी बस में से एक में वेल्डिंग का काम किया जा रहा था। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, प्रारंभिक जांच के अनुसार, संभवत: वेल्डिंग मशीन से निकली चिंगारी के कारण आग लगी होगी। बाद में आग इस गराज में खड़ी अन्य बसों तक फैल गई, जिससे भारी नुकसान हुआ। अग्निशमन विभाग ने बताया कि आग बुझाने के लिए कई दमकल

गाड़ियों को लगाया गया, 18 बसें पूरी तरह से जल गईं और चार आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गईं। गराज में कुल 35 बसें थीं। उन्होंने बताया कि 22 बस आग की चपेट में आ गईं।

आग इतनी भयानक लगी कि चारों तरफ काला धुंआ छाने लगा। यहां गैरेज में बसों की सर्विस की जाती है। पहले एक बस में आग की लपटें देखी गईं। धीरे धीरे लपेटे बढ़ती गई। कोच वर्क्स होने के कारण पुराने टायर, ट्यूब, तेल, आयल आदि जलनशील वस्तुएं आग की चपेट में आ गई। 15 फायर ब्रिगेड की गाड़ियां घटना स्थल पर पहुंची और शाम तक पूरी आग पर नियंत्रण कर लिया गया। चूंकि गराज खुले क्षेत्र में था, इसलिए आग लगने पर लोग जल्दी से बाहर निकलने में कामयाब हो गये। पुलिस ने बताया कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है।

ज्वेलरी शो

बेंगलूरु के प्रेस क्लब में सोमवार को आगामी 3 से 5 नवम्बर को बेंगलूरु पैलेस में होने जा रहे 'दि ज्वेलरी शो' के लिए आयोजित एक प्रेस कान्फ्रेंस में आभूषणों को प्रदर्शित करती हुई अभिनेत्री निश्चिका और अन्य मॉडल्स।

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने जद (एस) नेता रेवन्ना को दोबारा समन जारी करने का आदेश दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने कदाचार का आरोप लगाने वाली एक चुनाव याचिका पर होलेनरसिपुरा के विधायक और जनता दल (एस) के नेता एच डी रेवन्ना को दोबारा समन जारी करने का सोमवार को आदेश दिया, क्योंकि उन्हें पहले जारी किया गया समन तामील नहीं हुआ था।

इससे पहले की सुनवाई में उच्च न्यायालय ने विधानसभा सचिवालय के जरिए समन जारी करने का आदेश दिया था। मई विधानसभा चुनाव में रेवन्ना के चुनाव को चुनौती देने वाली चुनाव याचिका भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार जी देवराजेगौड़ा ने दायर की थी, जिन्होंने आरोप लगाया था कि जद(एस) नेता चुनावी कदाचार में शामिल थे। देवराजेगौड़ा को चुनाव में हार का सामना करना पड़ा था।

याचिका पर सोमवार को फिर से सुनवाई हुई। याचिकाकर्ता की तरफ से पेश वरिष्ठ वकील प्रमिला नेसारगी ने समाचार पत्रों में एक विज्ञापन के माध्यम से समन जारी करने के लिए अदालत के निर्देश का अनुरोध किया।

हालांकि, उच्च न्यायालय ने कहा कि चुनाव याचिकाओं से जुड़े नियमों के अनुसार समन फिर से जारी किया जाना चाहिए। न्यायमूर्ति ज्योति मुलिमणि ने समन जारी करने का आदेश दिया और सुनवाई 29 नवंबर तक के लिए स्थगित कर दी।

याचिका में आरोप लगाया गया कि रेवन्ना के समर्थकों ने मतदाताओं को लुभाने के लिए नकदी और उपहार बांटे तथा हिंसक घटनाओं में संलिप्त हुए। इसके अलावा, रेवन्ना की पत्नी भवानी रेवन्ना की संपत्ति के विवरण में भी गलतियां होने का आरोप लगाया गया। देवराजेगौड़ा ने आरोप लगाया है कि रेवन्ना और दूसरे स्थान पर रहे कांग्रेस उम्मीदवार श्रेयस पटेल, दोनों ने मतदाताओं को प्रलोभन देकर लुभाया था, इसलिए दोनों को मिले वोट अमान्य किए जाने चाहिए।

उच्च न्यायालय ने याचिका पर दो अगस्त को समन जारी किया था, जिसकी तामील रेवन्ना को नहीं हुई थी। उच्च न्यायालय ने चार सितंबर को विधानसभा सचिवालय के माध्यम से समन तामील कराने का आदेश दिया।

हाथी की गोली मारकर हत्या

चेन्नई। तमिलनाडु के होसुर में कावेरी उत्तरी वन्यजीव अभयारण्य के अंतर्गत आने वाले ज्वालागिरी वन क्षेत्र में एक वन्यजीव हाथी की गोली मारकर हत्या कर दी गई।

हाथी के शव की उम्र करीब 15-16 साल बताई जा रही है। हाथी का शव रविवार शाम को वन विभाग की गश्ती टीम को मिला। पोस्टमार्टम से पता चला कि इसकी हत्या करीब दो-तीन दिन पहले गोली मारकर की गई थी। वन विभाग के सूत्रों ने हालांकि, सोमवार को बताया कि हाथी के दांत बरकरार पाए गए। वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

शपथ

मुख्यमंत्री सिद्दरामैया सोमवार को बेंगलूरु के विधान सौधा में सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान राज्य के अधिकारियों और कर्मचारियों को शपथ दिलाते हुए।

वैभव गहलोत दिल्ली में ईडी के समक्ष पेश हुए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली/जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बेटे वैभव गहलोत विदेशी मुद्रा प्रबंध अधिनियम (फेमा) संबंधी मामले में पूछताछ के लिए सोमवार को दिल्ली स्थित प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के कार्यालय में पेश हुए। संघीय एजेंसी ने वैभव (43) को फेमा के प्रावधानों के तहत समन जारी कर उन्हें ए पी जे अब्दुल कलाम रोड पर स्थित ईडी के मुख्यालय में पेश होने को कहा था। वैभव राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के सदस्य भी हैं। उन्होंने समन जारी किए जाने के बाद कहा था कि एजेंसी उनके खिलाफ 10-12 साल पुराने मामले में झूठे आरोप लगा रही है और वह भी चुनाव की तारीखें घोषित होने के बाद। कुल 200 सीट वाली राजस्थान विधानसभा के लिए मतदान 25 नवंबर को होगा। राजस्थान के अलावा मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, मिजोरम और तेलंगाना में मतगणना तीन दिसंबर को होगी।

एजेंसी ने फेमा के तहत वैभव गहलोत का बयान दर्ज किया, जिसके तहत कानूनी कार्यवाही की प्रकृति दीवानी है। वैभव ने एक घंटे के दोपहर के भोजन के अवकाश के लिए ईडी के कार्यालय से बाहर आने के बाद संवाददाताओं से कहा, मेरा और मेरे परिवार का फेमा या विदेशी लेनदेन से कोई लेना-देना नहीं है...उन्होंने मुझे समन के तहत पेश होने के लिए कम समय दिया। मैंने 15 दिन का समय मांगा था...उन्हें मुझे और समय देना चाहिए था। इस समन का संबंध राजस्थान स्थित आतिथ्य क्षेत्र से जुड़े समूह 'ट्राइटन होटल्स एंड रिसॉर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड', 'वर्धा एंटरप्राइजेज प्राइवेट

लिमिटेड' और इसके निदेशकों एवं प्रमोटर शिव शंकर शर्मा, रतन कांत शर्मा और अन्य के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय के हाल में मारे गए छापों से है। एजेंसी ने अगस्त में तीन दिनों तक जयपुर, उदयपुर, मुंबई और दिल्ली में समूह और उसके प्रमोटर से जुड़े परिसरों पर छापे मारे थे। उसने छापेमारी के दौरान आपत्तिजनक दस्तावेज मिलने का दावा किया था और आरोप लगाया था कि ट्राइटन समूह सीमा पार निहितार्थ वाले हवाला लेन-देन में शामिल था। ईडी ने एक बयान में बताया था कि इस छापेमारी के बाद उसने 1.2 करोड़ रुपये की नकदी जब्त की थी जो आय के ज्ञात स्रोत से अधिक थी और डिजिटल साक्ष्य, हार्ड डिस्क, मोबाइल इत्यादि भी जब्त किए गए थे। उसने कहा था कि ये समूह द्वारा बड़े पैमाने पर किए गए ऐसे लेन-देन को दर्शाते है, जिनका बही-खाते में रिकॉर्ड नहीं है।

वैभव गहलोत के साथ रतन कांत शर्मा के कथित संबंध प्रवर्तन निदेशालय की जांच के दायरे में हैं। रतन कांत शर्मा कार किराये पर देने वाली एक कंपनी में वैभव गहलोत के कारोबारी साझेदार हैं। अशोक गहलोत और कांग्रेस ने प्रवर्तन निदेशालय के इस कदम को राजनीति से प्रेरित बताया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आरोप लगाया था कि ईडी, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और आयकर विभाग जैसी एजेंसी चुनाव आते ही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की 'पन्ना प्रमुख' (पार्टी कार्यकर्ता) बन जाती हैं। खरगे ने कहा, राजस्थान में अपनी हार निश्चित देखकर भारतीय जनता पार्टी ने अपना आखिरी दांव चला है। छत्तीसगढ़ के बाद ईडी अब राजस्थान में भी चुनाव प्रचार में उतर गयी है और उसने कांग्रेस नेताओं के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। अशोक गहलोत ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने बेटे को भेजे गए ईडी के समन की तस्वीर साझा की थी और एक संवाददाता सम्मेलन में कहा था कि कांग्रेस ने 25 अक्टूबर को राजस्थान की महिलाओं के लिए गारंटी की घोषणा की थी और कांग्रेस की राजस्थान इकाई के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के खिलाफ ईडी की छापेमारी और वैभव के खिलाफ कार्रवाई इसी के एक दिन बाद हुई।

जांच एजेंसियों के नाम पर उद्योगपतियों व राजनीतिक नेताओं को डराने का माहौल बनाया जा रहा है : आंजना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सहकारिता मंत्री उदय लाल आंजना ने सोमवार को आरोप लगाया कि देश में ऐसा माहौल बन गया है जहां जांच एजेंसियों के नाम पर उद्योगपतियों और राजनीतिक नेताओं को डराया और धमकाया जा रहा है। आंजना ने हाल ही में उदयपुर में अपने परिसरों पर आयकर विभाग की कार्रवाई का जिक्र करते हुए कहा कि अगर कागजात में कोई कमी थी तो आयकर अधिकारी आते। उन्होंने कहा कि जिस तरह से वे दस्तावेजों का सत्यापन करने आये, उससे माहौल खराब हो गया।

आंजना ने चित्तौड़गढ़ में संवाददाताओं से बातचीत में आरोप लगाया देश में ऐसा माहौल बनाया गया है जहां जांच एजेंसियों ईडी(प्रवर्तन निदेशालय), आईटी (आयकर) और सीबीआई (केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो) के नाम पर उद्योगपतियों और राजनीतिज्ञों को डराया और धमकाया जा रहा है। उन्होंने कहा, अगर उन्हें प्रविष्टि को ही सत्यापित करना था तो एक टीम भेजकर देख लेते और अगर कोई कमी निकलती तो उसके बाद टीम लाकर के हमला करते तो ज्यादा बढिया रहता लेकिन अधिकारियों ने जिस प्रकार से यह किया उससे माहौल खराब हुआ।

'' मंत्री ने कहा कि आयकर विभाग उनके व्यापारिक साझेदार की प्रविष्टियों का सत्यापन करने आया था, जिन्होंने महाराष्ट्र में सड़क निर्माण कार्य किया था। उन्होंने कहा, मेरे संयुक्त उद्यम भागीदार के यहां छापेमारी की गई। आयकर टीम मेरे साझेदार के परिसरों पर छापेमारी के बाद उदयपुर में प्रविष्टियों का सत्यापन करने आई थी। आयकर विभाग की टीम ने 28 अक्टूबर को उदयपुर में मंत्री के ठिकानों पर कार्रवाई की थी।

राजस्थान में विधानसभा चुनाव की अधिसूचना जारी, छह नवंबर तक होगा नामांकन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की मुख्य सचिव उषा शर्मा ने राज्य विधानसभा आम चुनाव-2023 के लिए सोमवार को अधिसूचना जारी कर दी और इसी के साथ नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग की सिफारिश पर राज्यपाल कलराज मिश्र की अनुमति से नयी विधानसभा गठन के लिए चुनाव कराने हेतु मुख्य सचिव ने अधिसूचना जारी की है और इसी क्रम में लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धाराओं 30 और 56 के तहत आयोग ने चुनाव कार्यक्रम की अधिसूचना भी जारी कर दी है।

गुप्ता ने बताया कि राजस्थान की सभी 200 विधानसभा सीट के लिए सोमवार को चुनाव कार्यक्रम की अधिसूचना जारी होने के साथ ही पूर्वाह्न 11 बजे से नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई। उम्मीदवार छह नवंबर तक पर्चे दाखिल कर सकते हैं। उक्त अवधि के दौरान पांच नवंबर को रविवार होने के कारण नामांकन दाखिल नहीं किए जा सकेंगे। नामांकन प्रपत्रों की जांच सात नवंबर को की जाएगी और उन्हें वापस लेने की अंतिम तारीख नौ नवंबर है। राजस्थान में एक ही चरण में 25 नवंबर को सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक मतदान होगा एवं मतगणना तीन दिसम्बर को होगी।

गुप्ता ने बताया कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के अंतर्गत राजस्थान विधानसभा आम चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करते समय सामान्य उम्मीदवार को 10 हजार रुपये और अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवार को पांच हजार रुपये जमानत राशि जमा करानी होगी। उन्होंने बताया कि नामांकन भरने के लिए आने वाले उम्मीदवार के साथ चार व्यक्ति सहित कुल पांच व्यक्ति ही निर्वाचन अधिकारी (आरओ) के कक्ष में प्रवेश कर सकेंगे। नामांकन भरने पहुंचे व्यक्ति के काफिले में केवल तीन वाहनों को ही आरओ कार्यालय के 100 मीटर के अंदर प्रवेश की अनुमति दी जाएगी। नामांकन भरने की प्रक्रिया पूर्वाह्न 11 बजे से शुरू होगी जो अपराह्न तीन बजे तक चलेगी।

ईआरसीपी से जयपुर सहित कई जिलों की प्यास बुझाएंगे : वसुंधरा राजे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.comb

जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे ने विधानसभा चुनाव में प्रचार का आगाज करते हुए कहाकि भाजपा की सरकार बनना तय है। सरकार बनते ही हमारी सरकार के वो सब काम शीघ्र पूरे करेंगे, जो कांग्रेस सरकार ने रोक दिए थे।

उन्होंने कहा कि ईआरसीपी योजना से जयपुर सहित कई ज़िलों की प्यास बुझायेंगे। जयपुर के रिंग रोड़ का काम जो इस सरकार ने रोक दिया, वह भी सरकार आते ही शुरू होगा। द्रव्यवती नदी जिसे इस सरकार ने वापस गंदा नाला बना दिया,उसे फिर से रोशन करेंगे।

राजे सोमवार को जयपुर में भाजपा के मालवीय नगर प्रत्याशी कालीचरण सराफ के कार्यालय उद्घाटन समारोह में बोल रही थी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस चुनाव आते ही पहले की तरह फिर से झूठें वादे लेकर जानता के सामने आ गई। अभी कुछ दिनो पहले प्रियंका गांधी ने घोषणा कर दी कि कांग्रेस सरकार रिपीट हुई तो 10 हज़ार रुपए प्रति वर्ष हर महिला को देंगे। उनको पता है कांग्रेस तो आनी नहीं है बोलने में क्या जाता है। वैसे यह वादा भी उनके भाई राहुल के उस वादे जैसा ही है, जिसमें उन्होंने कहा था कि सरकार बनते ही 10 दिन में किसानों का सम्पूर्ण कर्जा माफ़ किया जाएगा। पूरे पाँच साल निकल गए पर आज तक तो किसानों का कर्ज माफ़ हुआ नहीं।

राजे ने कहाकि प्रियंका जी आपको महिलाओं की इतनी ही चिंता है तो महिलाओं को परिवार का मुखिया बनाने वाली हमारी भाजपा सरकार की भामाशाह नारी सशक्तिकरण योजना को आपकी सरकार ने क्यों बंद किया ? देश की पहली बड़ी उस योजना को आगे क्यों नहीं बढ़ाया ? आपको महिलाओं की इतनी ही चिंता है तो क्या आपने आपकी कांग्रेस सरकार से पूछा कि महिला अत्याचार में राजस्थान देश में पहले नंबर पर क्यों हैं?

क्या आपने आपकी कांग्रेस सरकार से पूछा कि मासूम बच्चियों के साथ दुष्कर्म के मामलों में राजस्थान देश भर में बदनाम क्यों है। समारोह में सांसद रामचरण बोहरा भी मौजूद थे।

भाजपा ने गहलोत की 'गारंटियों' को लेकर चुनाव आयोग में शिकायत की

जयपुर।भाजपा ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा जनता को दी गई सात 'गारंटी' को लेकर यहां चुनाव आयोग से शिकायत की है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) को एक ज्ञापन सौंपा। इसमें कहा गया है कि चुनाव की घोषणा के बाद ऐसी कोई भी योजना का ऐलान करना नियम के विरुद्ध है जिसका इस्तेमाल कोई राजनीतिक दल मतदाताओं का वोट लेने के वास्ते प्रलोभन देने के लिए करे। भाजपा के बयान के अनुसार, यह आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन के साथ ही लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा-123 के तहत भ्रष्ट आचरण की श्रेणी में भी आता है।

फिर फंस गए विधायक हुडला, कांग्रेस प्रत्याशी ने बांटे पैसे तो निर्वाचन आयोग ने लिया एक्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दौसा। दौसा के महवा रिटर्निंग अधिकारी एवं उप जिला मजिस्ट्रेट महवा लाखन सिंह गुर्जर ने विधानसभा क्षेत्र महवा से कांग्रेस के संभावित प्रत्याशी ओमप्रकाश हुडला को आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन किए जाने के संबंध में शनिवार को नोटिस जारी कर 24 घंटे में स्पष्टीकरण मांगा है।

रिटर्निंग अधिकारी एवं उप जिला मजिस्ट्रेट महवा लाखन सिंह गुर्जर ने बताया कि विधानसभा आम चुनाव 2023 की आदर्श आचार संहिता प्रभावी हो चुकी है। इसके बावजूद भी महवा विधानसभा क्षेत्र के संभावित प्रत्याशी एवं वर्तमान विधायक ओमप्रकाश हुडला द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर नकद रुपये कलश में डालते हुए फोटो एवं वीडियो पोस्ट की गई है, जो कि आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन की श्रेणी में आता है।

इसके लगवा आईपीसी की धारा-171 बी के उल्लंघन में पाया गया है। उन्होंने कहा कि विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म यह फोटो और वीडियो वायरल हो रहा है। रिटर्निंग अधिकारी एवं उप जिला मजिस्ट्रेट महुवा लाखन सिंह गुर्जर ने बताया कि इसके संबंध में वर्तमान विधायक एवं महवा विधानसभा क्षेत्र के संभावित प्रत्याशी ओमप्रकाश हुडला को नोटिस जारी किया गया है। उनसे 24 घंटे में व्यक्तिगत उपस्थित होकर स्पष्टीकरण का जवाब मांगा गया है।

गहलोत शासन में बेटियां भयभीत, घर से कैसे निकलें? : सुमन शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.comb

जयपुर। राजस्थान महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष सुमन शर्मा ने भाजपा मीडिया सेंटर पर आयोजित प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के शासन में महिला अत्याचार के मामलों में हुई बढोतरी के कारण अब बेटियों को अकेले घर से निकलने में डर लगने लगा है। हालात यह है कि यहां बेटियां कहीं भी सुरक्षित नहीं है। प्रदेश में पिछले दो दिनों में महिला उत्पीडन के करीब एक दर्जन मामले सामने आए हैं जिसमें दो मामले तो महिलाओं से गैंगरेप के है। पिछले दिनों प्रतापगढ में महिला को नग्न कर घुमाने वाली घटना ने राजस्थान को शर्मसार किया था वहीं उसी प्रतापगढ में कांग्रेस के प्रत्याशी रामलाल मीणा

के पिता के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज हुआ है। इससे पहले भी कांग्रेस के मंत्री महेश जोशी और जौहरीलाल मीणा के पुत्रों पर दुष्कर्म के मामले दर्ज हो चुके है। कांग्रेस नेताओं के परिजनों पर दुष्कर्म के ये मामले कांग्रेस पार्टी का चाल, चरित्र और चेहरा बताते हैं। इन घटनाओं से पता चल गया कि महिलाओं की कांग्रेस सरकार के शासन में क्या स्थिति है। उन्होंने कहा कि लडकी हूं, लड सकती हूं का नारा देने वाली प्रियंका गांधी राजस्थान में महिलाओं की दशा पर एक बार भी नहीं बोली यह शर्मनाक है। राजस्थान की महिलाएं और बेटियां प्रियंका गांधी को जवाब दे रही है कि अब राजस्थान सुरक्षित होगा क्योंकि यहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी है। उन्होंने कहा कि महिला दुष्कर्म में बढोतरी के मामले सीएम गहलोत के ताबूत में आखिरी और गहरी कील साबित होंगे।

इस मौके पर प्रदेश प्रवक्ता राखी राठौड ने कहा कि गहलोत सरकार के कुशासन के कारण यहां पैदा होते बच्चे पर 80 हजार का कर्ज चढ गया है। मुख्यमंत्री स्वयं को फकीर कहते हैं लेकिन सच्चाई यह है कि उनके कुशासन के कारण राजस्थान आर्थिक मोर्चे पर फकीर बन गया है। कांग्रेस सरकार के भ्रष्टाचार और वित्तीय कुप्रबन्धन के कारण खजाने की हालत यह है कि रोडवेज कर्मचारियों को सैलरी देने का लाले पडे हुए है। बाल गोपाल योजना में दूध पाउडर सप्लाई करने वाली फर्म का पैसा बकाया है, बुजुर्गो और दिव्यांगो की पेंशन का भुगतान नही हो पा रहा है। यहीं नहीं हालात इतने विकट हो गए हैं कि एसएमएस अस्पताल में रेजीडेंट्स को 11 माह से सैलरी नहीं मिली है। मुख्यमंत्री गहलोत ने कर्ज लेकर घी पीने का कार्य किया है जिसके कारण राजस्थान पर कर्ज बढकर 5.37 लाख करोड हो गया है। उन्होंने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की ओर से दी जा रही गारंटियों पर सवाल खडे करते हुए कहा कि इसके लिए वित्तीय प्रावधान कहां रखे गए है इसका रोडमैप जनता के सामने रखें। जनता इन झूठी गारंटियों के चक्कर में आने वाली नहीं है। राजस्थान में भ्रष्टाचार का आलम यह रहा है कि यहां डीओआईटी के कार्यालय में सोना और नकदी मिलती है जबकि इस विभाग के मुखिया खुद सीएम गहलोत थे।

दिया कुमारी कल भरेंगी विद्याधर नगर विधानसभा से नामांकन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । विद्याधर नगर विधान सभा से भाजपा प्रत्याशी दिया कुमारी दिनांक 1 नवंबर को नामांकन भरेंगी। उनकी नामांकन रैली की शुरुआत विद्याधर स्थित प्रधान कार्यालय से सुबह साढ़े आठ बजे होगी। दिया कुमारी का काफ़िला प्रधान कार्यालय से चलकर कलेक्ट्रेट पहुंचेगा।

सोमवार को जनसम्पर्क की शुरुआत वार्ड-20 भवानी नगर के श्री राधा कृष्ण लक्ष्मी नारायण मंदिर में दर्शन कर भगवान के आशीर्वाद से की और जनता से सहयोग और समर्थन मांगा। इस दौरान आमजन को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने ना तो विद्याधर नगर और ना ही राजस्थान में कोई विकास के कार्य किये और न ही होने दिए।

उन्होंने कहा कि विद्याधर नगर के लिए दिया कुमारी हमेशा उपस्थित है और रहेगी। मुझे जहां जहां जनता ने चुना है वहां मैंने सुनिश्चित किया है कि हर छोटे से लेकर बड़े कार्य को मैं जल्द से जल्द संपन्न करवाऊं और विद्याधर नगर से भी जीतने के बाद भी मेरा यही प्रयास होगा।

इसके उपरांत उन्होंने विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र के नांगल मण्डल के वार्ड-19 प्रताप डेयरी से प्रारंभ होकर शक्ति नगर, हीराबाड़ी-बी, मुख्य बाजार एवं संजय नगर में घर-घर जाकर संपर्क किया और जनता का समर्थन मांगा। इसके बाद, दिया कुमारी ने वार्ड 21 में के.पी.एस विद्यालय और जी.जी.ई.एस विद्यालय के वार्षिकोत्सव समारोह में शिरकत की।

तारानगर विधानसभा के ब्रह्म नगर और रतनपुरा में सोमवार को आयोजित सभाओं में भाग लेने जाते नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़।

माकपा ने 17 उम्मीदवारों की सूची जारी की

जयपुर। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) ने राजस्थान विधानसभा चुनाव के लिए 17 उम्मीदवारों की सूची सोमवार को जारी की। माकपा के राज्य सचिव अमराराम ने यहां संवाददाताओं से कहा कि पार्टी के दोनों वर्तमान विधायक भादरा (हनुमानगढ़) से बलवान पूनिया और डूंगरगढ़ (बीकानेर) से गिरधारी लाल महिया को फिर से उम्मीदवार बनाया गया है। उन्होंने बताया कि हनुमानगढ की नोहर सीट से मंगेज चौधरी और हनुमानगढ़ से रघुवीर वर्मा को उम्मीदवार बनाया गया है।

माकपा नेता ने कहा कि सीकर की धोद (अनुसूचित जाति) सीट से पेमाराम, दांतारामगढ़ से अमराराम, लक्ष्मणगढ़ सीट से विजेंद्र ढाका और सीकर से उस्मान खान को चुनाव मैदान में उतारा गया है। उन्होंने बताया कि गंगानगर की रायसिंहनगर (अनुसूचित जाति) सीट से श्योपत राम मेघवाल, अनूपगढ़ (अनुसूचित जाति) सीट से शोभा सिंह ढिल्लों, डूंगरपुर सीट से गौतम डामोर को टिकट दिया गया है।

यश-अपयश का विचार किए बिना जिंदगी जीने वालों का ही जीवन सार्थक होता है : भैय्याजी जोशी

जयपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य सुरेश भैय्याजी जोशी ने कहा है कि जीवन में व्यावहारिक सफलता परिश्रम और अध्ययन से प्राप्त हो सकती है, लेकिन सफलता की चिन्ता किये बगैर ध्येयनिष्ठ होकर और यश-अपयश का विचार किए बिना जीवन जीने वालों का ही जीवन सार्थक होता है। वह पाथेय कण के संरक्षक एवं वरिष्ठ प्रचारक माणकचन्द के सम्मान में आयोजित प्रेरणा समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जीवन में कठिनाइयों और बाधाओं से बिना रुके अथवा विचलित हुए सतत राष्ट्र एवं समाज निर्माण का कार्य करने वाले श्रेष्ठ व्यक्तित्वों का निर्माण संघ ने किया है।

तस्करी नेटवर्क चलाने वाले लोगों को पकड़ने के लिए अंतर-सरकारी सहयोग जरूरी : सीतारमण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने तस्करी नेटवर्क चलाने वाले लोगों (मास्टरमाइंड) पर नकेल कसने और अवैध व्यापार पर अंकुश लगाने के लिए अंतर-सरकारी सहयोग का आह्वान किया है।

राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) द्वारा आयोजित प्रवर्तन मामलों में सहयोग पर वैश्विक सम्मेलन को संबोधित करते हुए सीतारमण ने सोमवार को कहा कि सीमा शुल्क अधिकारियों को अवैध व्यापार के नेटवर्क पर अंकुश लगाने के लिए आपस में जानकारी साझा करनी चाहिए और यह सुनिश्चित करने का प्रयास करना चाहिए कि उनके द्वारा साझा की गई जानकारी 'कार्रवाई योग्य' हो।

वित्त मंत्री ने कहा कि पिछले 50-60 साल में तस्करी या अवैध तरीके से वस्तुओं के व्यापार की प्रकृति में बदलाव नहीं आया है। अब भी बहुमूल्य धातु, नशीले पदार्थ, जंगल या समुद्री से निकले कीमती भंडार की ही तस्करी होती है। उन्होंने कहा, ''ऐसे में मोटे तौर पर तस्करी वाली वस्तुएं कमोबेश पहले की तरह ही हैं। कोई ऐसा नया क्षेत्र नहीं है जिनपर सीमा शुल्क अधिकारियों को हैरानी हो। यदि यह काफी पहले से चल रहा है, तो अब हमें इस बारे में काफी जानकारी हो जानी चाहिए इसके पीछे कौन ताकतें हैं।'' उन्होंने कहा, ''मैं विश्व सीमा शुल्क संगठन (डब्ल्यूसीओ) के साथ अंतर-सरकारी सहयोग पर काफी जोर देती हूं। इससे हम स्थानीय अधिकारियों तथा सरकारों की मदद से तस्करी के पीछे मुख्य साजिशकर्ता या मास्टरमाइंड तक पहुंच सकते हैं।'' उन्होंने कहा कि वस्तुओं के अवैध व्यापार पर अंकुश के प्रयासों की पुष्टि इस तथ्य से होती है कि सीमा शुल्क अधिकारी सतर्क हैं। आपने तस्करी का कुछ सामान रोका है। और जो सामान आपने पकड़ा है, चाहे वह वैध ही क्यों नहीं है, उसे आप पूरी तरह नष्ट कर देते हैं। यह आपके समर्पण को दर्शाता है। सीतारमण ने कहा, ''सभी सरकारों के लिए यह जानना महत्वपूर्ण है कि तस्करी की उन गतिविधियों को कैसे रोका जाए, जो हमारी जंगली वनस्पतियों और जीवों को खतरे में डाल रही हैं। तस्करी करने वाले लोगों की सोच है कि हम सिर्फ छोटी मछलियों को पकड़ रहे हैं। पुलिस या सीमा शुल्क अधिकारी बड़ी मछलियों को पकड़ नहीं पा रहे हैं।''

उद्यमी निवेश की गारंटी लें, पूंजी और उनकी सुरक्षा की गारंटी सरकार लेगी : योगी

अमेठी/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि उद्यमी केवल निवेश की गारंटी लें, पूंजी और उनकी सुरक्षा की गारंटी सरकार की होगी। योगी आदित्यनाथ ने केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी की मौजूदगी में सोमवार को यहां एसएलएमजी बेवरेज प्राइवेट लि. के संयंत्र का उदघाटन किया।

उन्होंने कहा कि 2018 में पहले निवेशक सम्मेलन के वक्त जब दो लाख करोड़ का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, तो लोग हमारे निर्णय पर हंसते थे। मगर आज उत्तर प्रदेश में अबतक 38 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं।'' उन्होंने भरोसा दिलाते हुए कहा कि ''उद्यमी केवल निवेश की गारंटी लें, पूंजी और उनकी सुरक्षा की गारंटी सरकार की होगी।'' इससे पहले योगी ने एसएलएमजी बेवरेज प्रा.लि. के संयंत्र का अवलोकन किया। ये बॉटलिंग संयंत्र प्रदेश सरकार के निवेश की उस नीति का हिस्सा है, जो प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हमने निवेश, रोजगार और बेहतरीन औद्योगिक वातावरण देने के लिए शुरू की है। पिछली विपक्ष की सरकारों पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि 'इस संयंत्र की स्थापना से अमेठी को निवेश का नया उपहार मिला है। दशकों पहले यहां औद्योगिक परिक्षेत्र चिह्नित हुआ था। मगर पहले की सरकारों के पास विकास एजेंडा नहीं था। वे जातिवाद और परिवाद को बढ़ावा देते थे।''

एबी-एचडब्ल्यूसी में 24 अक्टूबर तक 211 करोड़ से अधिक लोग आएं हैं : मांडविया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने सोमवार को कहा कि आयुष्मान भारत स्वास्थ्य और आरोग्य केंद्रों (एबी-एचडब्ल्यूसी) में 24 अक्टूबर तक 211 करोड़ से ज्यादा लोग आए हैं और लोगों ने 183 करोड़ से अधिक बार मुफ्त दवाओं का लाभ उठाया है।

दक्षिण-पूर्व एशिया के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) क्षेत्रीय समिति के 76वें सत्र को संबोधित करते हुए मांडविया ने एबी-एचडब्ल्यूसी की प्रगति की सराहना करते हुए कहा कि इसने प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं की व्यापक शृंखला प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा, ''24 अक्टूबर तक, एबी-एचडब्ल्यूसी में 211 करोड़ से अधिक लोग आए हैं। इसका प्रभाव शानदार है, जहां 183 करोड़ से अधिक बार मुफ्त दवाओं और 87.3 करोड़ से अधिक बार नैदानिक सेवाओं का लाभ उठाया गया है।'' मंत्री ने कहा कि 2.6 करोड़ आरोग्य सत्र आयोजित किए गए हैं, जहां 30.6 करोड़ से अधिक लोग शामिल हुए। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक डॉ. टेड्रोस अधनोम गेब्रेयेसस ने इस कार्यक्रम में डिजिटल तरीके से भाग लिया। मांडविया को सर्वसम्मति से दक्षिण-पूर्व एशिया की क्षेत्रीय समिति के 76वें सत्र का अध्यक्ष भी चुना गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण को दोहराते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा, ''भारत में, हम एक समग्र और समावेशी दृष्टिकोण का पालन कर रहे हैं। हम स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे का विस्तार कर रहे हैं। चिकित्सा की पारंपरिक प्रणालियों को बढ़ावा दे रहे हैं और सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज दृष्टि के अनुरूप किसी को भी पीछे न छोड़ने की दृढ़ प्रतिबद्धता के साथ सभी को सस्ती स्वास्थ्य सेवा प्रदान कर रहे हैं।''

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के अंबाजी मंदिर में पूजा-अर्चना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अंबाजी (गुजरात)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को गुजरात में बनासकांठा जिले के अंबाजी शहर में प्रसिद्ध अंबा देवी मंदिर में पूजा-अर्चना की। सोमवार से गुजरात का दो दिवसीय दौरा कर रहे प्रधानमंत्री मोदी सुबह एक विमान से अहमदाबाद पहुंचे और फिर एक हेलीकॉप्टर से अंबाजी के समीप चिखला गांव के लिए रवाना हुए। जब प्रधानमंत्री का काफिला अंबाजी शहर पहुंचा तो सड़क के दोनों ओर हजारों लोग खड़े थे। स्थानीय नेताओं और पुजारियों ने मोदी का स्वागत किया जिसके बाद उन्होंने मंदिर में पूजा-अर्चना की। अंबाजी मंदिर में पूजा करने के बाद मोदी एक सार्वजनिक कार्यक्रम के लिए मेहसाणा की खेरालु तालुक के दभोदा गांव के लिए रवाना हो गए।

केजरीवाल अदालत और दिल्ली की जनता को बताएं कि 338 करोड़ रुपये कहां गए: भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भाजपा ने उच्चतम न्यायालय की ओर से दिल्ली आबकारी नीति मामले से संबंधित भ्रष्टाचार और धन शोधन मामलों में पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की नियमित जमानत याचिका खारिज किए जाने के बाद सोमवार को आम आदमी पार्टी (आप) पर निशाना साधते हुए कहा कि आरोप तथ्यात्मक दृष्टि से लगातार स्थापित होते जा रहे हैं लेकिन फिर भी 'एक तो चोरी और ऊपर से सीनाजोरी' उसका चरित्र बनती जा रही है।

शीर्ष अदालत की ओर से मामले में 338 करोड़ रुपये के हस्तांतरण की पुष्टि संबंधी टिप्पणी का उल्लेख करते हुए भाजपा ने यह भी कहा कि अब मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की जिम्मेदारी है कि वह उच्चतम न्यायालय और लोगों को बताएं कि वह 338 करोड़ रुपये कहां हैं? सिसोदिया को झटका देते हुए, उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली आबकारी नीति मामले से संबंधित भ्रष्टाचार और धन-शोधन मामलों में उनकी नियमित जमानत याचिका खारिज कर दी और कहा कि मामले में अस्थायी तौर पर 338 करोड़ रुपये के हस्तांतरण की पुष्टि हुई है। भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में केजरीवाल का मजाक उड़ाते हुए कहा कि उन्होंने दावा किया था कि सिसोदिया को उनके काम के लिए 'भारत रत्न' दिया जाना चाहिए लेकिन भ्रष्टाचार के मामले में उनकी जमानत याचिका छह बार खारिज हो चुकी है। त्रिवेदी ने कहा कि अब यह संवैधानिक और कानूनी रूप से केजरीवाल की जिम्मेदारी है कि वह अदालत को बताएं कि धन कहां है और साथ ही इस बारे में दिल्ली की जनता को बताना भी उनकी नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, ''ऐसा कहा जाता है कि लोग शराब पर अपना पैसा बर्बाद करते हैं, दिल्ली सरकार ने इस पर सरकारी खजाने को बर्बाद कर दिया।'' भाजपा नेता ने केजरीवाल पर 'निर्लज्जता और नाटक' करने का आरोप लगाया और कहा कि आप नेता कथित घोटाले में अपनी पार्टी की ईमानदारी की पुष्टि करने के लिए महात्मा गांधी के स्मारक पर भी गए थे। त्रिवेदी ने कहा कि उन्होंने महात्मा गांधी को भी इसमें घसीट लिया, जबकि वह शराबबंदी के पक्षधर थे और उनकी जयंती के दिन शराब की बिक्री भी प्रतिबंधित है।

न्यायमूर्ति संजीव खन्ना एवं न्यायमूर्ति एस. वी. एन. भट्टी की पीठ ने कहा कि उसने जांच एजेंसियों के बयान को रिकॉर्ड किया है कि इन मामलों में सुनवाई छह से आठ महीने में पूरी हो जाएगी। पीठ ने कहा कि अगर सुनवाई की कार्यवाही में देरी होती है तो सिसोदिया तीन महीने में इन मामलों में जमानत के लिए याचिका दायर कर सकते हैं। त्रिवेदी ने दावा किया कि आप सरकार में भ्रष्टाचार के बढ़ता पैमाना धीरे-धीरे स्थापित हो रहा है क्योंकि पहले दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन को धन शोधन के एक मामले में पकड़ा गया और इसके बाद सिसोदिया और राज्यसभा सदस्य संजय सिंह की गिरफ्तारी हुई, जो आप के संसदीय दल के नेता हैं।

संरा के प्रस्ताव पर मतदान के दौरान भारत की अनुपस्थिति का 'कड़ा विरोध' करती है कांग्रेस : सोनिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने सोमवार को कहा कि उनकी पार्टी इजराइल-हमास संघर्ष पर संयुक्त राष्ट्र के हालिया प्रस्ताव पर मतदान के दौरान भारत के अनुपस्थित रहने का 'कड़ा विरोध' करती है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने हमास के हमलों की स्पष्ट रूप से निंदा की है तथा यह त्रासदी उस समय और बढ़ गई है जब इजराइल उस आबादी से बदला लेने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है जो काफी हद तक असहाय होने के साथ-साथ निर्दोष भी है। उन्होंने अंग्रेजी दैनिक 'द हिंदू' में लिखे एक लेख में यह भी कहा कि उनकी पार्टी का लंबे समय से यह रुख रहा है कि इजराइल के साथ सह-अस्तित्व में एक संप्रभु, स्वतंत्र और सुरक्षित फलस्तीन राष्ट्र के लिए सीधी बातचीत हो। सोनिया गांधी ने कहा मानवता अब इम्तिहान के दौर से गुजर रही है। उन्होंने कहा, इजराइल पर क्रूर हमलों से हम सामूहिक रूप से दुखी हुए थे। अब हम सभी इजराइल की असंगत और समान रूप से क्रूर प्रतिक्रिया से दुखी हो गए हैं। हमारी सामूहिक अंतरात्मा के जागने से पहले और कितनी जानें जाएंगी? उन्होंने कहा कि सात अक्टूबर, 2023 को हमास ने इज़राइल पर एक क्रूर हमला किया, जिसमें एक हजार से अधिक लोग मारे गए और 200 से अधिक लोगों का अपहरण कर लिया गया था। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख ने कहा, इजराइल के लिए अभूतपूर्व, अप्रत्याशित यह हमला विनाशकारी था। कांग्रेस का दृढ़ता से मानना है कि सभ्य दुनिया में हिंसा का कोई स्थान नहीं है और अगले दिन हमने हमास के हमलों की स्पष्ट रूप से निंदा की।

रघुबर दास ओडिशा पहुंचे, राज्यपाल पद की शपथ लेने से पहले पुरी मंदिर में दर्शन किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुरी/भाषा। मनोनीत राज्यपाल रघुबर दास सोमवार को ओडिशा पहुंचे और एक दिन बाद होने वाले शपथग्रहण समारोह से पहले पुरी स्थित जगन्नाथ मंदिर में दर्शन किए। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री दास तड़के ट्रेन से पुरी पहुंचे। स्टेशन पर पुरी के जिलाधिकारी समर्थ वर्मा और पुलिस अधीक्षक कंवर विशाल सिंह ने उनका अभिनंदन किया।

इसके बाद वह तटीय शहर स्थित राजभवन गए और बाद में मंदिर पहुंचे। गृह राज्य मंत्री टी.के. बेहरा ने मंदिर के मुख्य द्वार 'सिंह द्वार' पर मनोनीत राज्यपाल का स्वागत किया। मंदिर में दर्शन करने के बाद दास ने संवाददाताओं से कहा, ''मैं भाग्यशाली हूं कि मुझे ओडिशा के लोगों की सेवा करने का मौका मिला है। मैंने भगवान जगन्नाथ से वंचितों की सेवा करने की शक्ति देने का आशीर्वाद मांगा। राज्य का विकास मेरी प्राथमिकता है। ओडिशा का राजभवन 24 घंटे लोगों के लिए खुला रहेगा।'' उन्होंने पड़ोसी राज्य आंध्र प्रदेश में रेल दुर्घटना में करीब 14 लोगों की मौत पर भी दुख व्यक्त किया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता दास दिन में बाद में राज्य की राजधानी भुवनेश्वर पहुंचेंगे और वहां राजभवन में रुकेंगे। मुख्यमंत्री नवीन पटनायक राजभवन में उनसे मुलाकात कर सकते हैं।

भाजपा ने 'अपारदर्शी तरीके' से चंदा लेने का अपना इरादा जाहिर किया: चिदंबरम

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने चुनावी बॉण्ड योजना की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर उच्चतम न्यायालय में सुनवाई की पृष्ठभूमि में सोमवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपने इरादे स्पष्ट कर दिये हैं कि वह बड़े कॉरपोरेट समूहों से 'अपारदर्शी, गुप्त और षड्यंत्रकारी तरीके से' चंदा एकत्र करेगी।

दूसरी तरफ, भाजपा ने उन पर पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस राजनीतिक चंदे की व्यवस्था को पारदर्शी बनाने के किसी भी प्रयास के प्रति शत्रुतापूर्ण रवैया रखती है। चिदंबरम ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''चुनावी बॉण्ड मामले की सुनवाई की पूर्व संध्या पर भाजपा ने अपने इरादे स्पष्ट कर दिए हैं कि वह बड़े कॉरपोरेट समूहों से अपारदर्शी, गुप्त और षड्यंत्रकारी तरीके से धन जुटाएगी।'' उन्होंने कहा, ''देखते हैं कौन जीतता है, बड़े कॉरपोरेट या आम नागरिक, जो राजनीतिक दलों को चंदा देने में गर्व महसूस करते हैं।'' चिदंबरम के पोस्ट को टैग करते हुए भाजपा के आईटी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने कहा, आप जानते हैं कि वास्तव में मनोरंजक क्या है? आपके तर्कों का पाखंड। चुनावी बॉण्ड मामले की सुनवाई की पूर्व संध्या पर आप अपने एजेंडे को फिट करने के लिए कहानी को घुमाने की कोशिश कर रहे हैं।'' मालवीय ने कहा, सच्चा लोकतंत्र तब है, जब छोटे व्यवसायों और कॉरपोरेट दानदाताओं को किसी भी पार्टी को अनुदान देने की आजादी हो और अगर कोई अलग पार्टी सत्ता में आती है, तो प्रतिक्रिया का डर न हो।''

उन्होंने कहा, ''नकद चंदे की पूरी तरह से अपारदर्शी प्रणाली को आप बहुत पसंद करते हैं। इस व्यवस्था के विपरीत चुनावी बॉण्ड की व्यवस्था के तहत दानकर्ता अपने खाते में राशि का खुलासा करता है। प्रत्येक राजनीतिक दल को चुनाव आयोग को इस चंदे की घोषणा करनी होती है।''

पश्चिम बंगाल : कथित राशन वितरण घोटाले के खिलाफ माकपा ने किया विरोध प्रदर्शन

कोलकाता/भाषा। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने पश्चिम बंगाल में राशन वितरण में कथित तौर पर हुए घोटाले के खिलाफ प्रदर्शन किया और इस अनियमितता में संलिप्त सभी लोगों को न्याय के कठघरे में लाने की मांग की। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पश्चिम बंगाल के वनमंत्री ज्योतिप्रियो मलिक को पिछले सप्ताह कथित घोटाले की जांच के सिलसिले में गिरफ्तार किया था। मलिक 2011 से 2021 तक राज्य के खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री थे। माकपा के राज्य सचिव मोहम्मद सलीम ने यहां स्थित पश्चिम बंगाल के खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के मुख्यालय 'खाद्य भवन' के सामने आयोजित विरोध प्रदर्शन को संबोधित करते कहा, '' इस घोटाले में संलिप्त सभी लोगों को न्याय के कठघरे में लाया जाना चाहिए क्योंकि इसे एक व्यक्ति अंजाम नहीं दे सकता।''

ममता ने विश्वभारती में नई पट्टिकाओं को तुरंत हटाने की केंद्र से मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने विश्व भारती को यूनेस्को विश्व विरासत स्थल के दर्जे से संबंधित पट्टिकाओं से रवींद्रनाथ टैगोर का नाम कथित रूप से मिटाये जाने को अपमानजनक करार देते हुए इन्हें हटाने की सोमवार को मांग की। ममता ने कहा कि मौजूदा पट्टिका आत्ममुग्धता का अहंकारपूर्ण प्रदर्शन है। पिछले हफ्ते विश्व भारती द्वारा लगाई गई पट्टिकाओं में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नाम विश्वविद्यालय के कुलाधिपति के रूप में, और कुलपति प्रो. बिद्युत चक्रवर्ती के नाम दर्ज हैं।

शुक्रवार से तृणमूल कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता पट्टिकाओं को हटाने की मांग करते हुए विश्वविद्यालय के सामने प्रदर्शन कर रहे हैं। ममता ने एक बयान में कहा, ''आत्ममुग्धता का अहंकारपूर्ण प्रदर्शन वहां जारी है, जो कभी गुरुदेव (टैगोर) का घर था!! यूनेस्को शांतिनिकेतन को विश्व विरासत स्थल के रूप में मान्यता देता है, लेकिन आज के नेता स्मारक पट्टिका के टुकड़ों पर अहंकार भाव से अपना छोटा सा नाम दिखाए जा रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''भगवान के लिए, उन अपमानजनक पट्टिकाओं को हटा दें, जिसने उस संस्थान से रवीन्द्रनाथ टैगोर का नाम मिटा दिया है, जिसे कवि ने इतनी मेहनत से स्थापित किया था!! कुछ तो गरिमा और विनम्रता दिखाइए!! दिल्ली (केंद्र) में सत्तारूढ़ सरकार को तुरंत इसमें सुधार करना चाहिए।''

बुमराह और शमी से बातचीत तकनीकी नहीं बल्कि रणनीतिक : भारतीय गेंदबाजी कोच

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। मोहम्मद शमी और जसप्रीत बुमराह इतने बेहतरीन गेंदबाज हैं कि भारतीय टीम के गेंदबाजी कोच पारस म्हाम्ब्रे को उनसे तकनीक संबंधित चर्चा की जरूरत नहीं पड़ती जिससे उनके बीच बातचीत केवल रणनीतिक ही होती है।

शमी और बुमराह ने रविवार को इंग्लैंड के खिलाफ विश्व कप में मिली 100 रन की जीत में शानदार गेंदबाजी की जिससे भारतीय टीम लगातार छठी जीत हासिल करने में सफल रही। बुमराह और शमी दोनों गेंदबाजों ने दूधिया रोशनी में पिच का पूरा फायदा उठाया और म्हाम्ब्रे का कहना है कि दोनों ही अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में हैं जिससे उन्हें तकनीकी पहलू पर कुछ भी बताने की जरूरत नहीं रहती। टीम संयोजन के कारण शमी पहले चार मैच में नहीं खेल सके लेकिन न्यूजीलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें अंतिम एकादश से बाहर नहीं रखा जा सकता है।

म्हाम्ब्रे ने कहा, ''जब टीम में आपके पास इतना कौशल रखने वाले खिलाड़ी हैं तो आपको वास्तव में इसके बारे में चर्चा करने की जरूरत

नहीं पड़ती। ये खिलाड़ी इतना क्रिकेट खेल चुके हैं जिससे वे पूरी तरह समझते हैं कि टीम को उनसे किस चीज की जरूरत है।'' उन्होंने कहा, ''काश मैं यह कह पाता कि हमने इसके लिए टीम में चर्चा की थी और इसकी योजना बनायी थी। हमारी टीम में इतने बेहतरीन गेंदबाज हैं और वे इतने अनुभवी हैं कि इससे मेरा काम आसान हो जाता है।''

पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज ने रविवार को जीत के बाद कहा, ''इस स्तर पर यह खिलाड़ी प्रबंधन की बात है। वे काफी क्रिकेट खेल चुके हैं, वे सब चीज समझते हैं। मुझे तकनीक के बारे में ज्यादा बताने की जरूरत नहीं पड़ती, बस रणनीति के बारे में ही बात होती है। इसमें भी कार्यान्वयन अहम होता है और इसके लिये श्रेय उन्हें जाता है।'' बुमराह और शमी के शानदार शुरुआती स्पैल से इंग्लैंड ने 230 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 39 रन पर चार विकेट गंवा दिये थे, इसके बारे में बात करते हुए म्हाम्ब्रे ने कहा कि उस समय विकेटों की जरूरत थी और इन दोनों गेंदबाजों ने टीम को विकेट दिलाये। उन्होंने कहा, ''बुमराह और शमी का शुरूआती स्पैल मैच के लिहाज से काफी अहम था, हम छोटे लक्ष्य का बचाव कर रहे थे।'' म्हाम्ब्रे को लगता है कि भारत को 30-40 रन और बनाने चाहिए थे, उन्होंने कहा, ''पावरप्ले में विकेट सपाट हो गया था। उन्होंने जिस तरह की गेंदबाजी कर विकेट झटके, उससे हमारी नींव बनी। इसके बाद से मैच का रुख हमारी ओर बढ़ गया।''

कांग्रेस ने फिर साधा अडाणी समूह पर निशाना, जेपीसी जांच की मांग दोहराई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने सोमवार को आरोप लगाया कि हाल की कुछ खबरों में हुए खुलासों ने अडाणी समूह और उसके विश्वसनीय लोगों के बीच के घनिष्ठ संबंधों के उस गुप्त नेटवर्क को स्पष्ट रूप से सामने ला दिया जो भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड (सेबी) के कानूनों का खुलेआम उल्लंघन करता है।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि इस मामले की सच्चाई संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की जांच से ही सामने आ सकती है। अमेरिकी कंपनी 'हिंडनबर्ग रिसर्च' द्वारा अडाणी समूह के खिलाफ 'अनियमितताओं' और स्टॉक मूल्य में हेरफेर करने का आरोप लगाए जाने के बाद से कांग्रेस इस कारोबारी समूह पर निरंतर निशाना साध रही है। अडाणी समूह ने हालांकि हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में लगाए गए सभी आरोपों को खारिज किया है और उसका कहना है कि उसने कोई गलत काम नहीं किया है। रमेश ने एक बयान में कहा, ''हाल की कुछ खबरों में हुए खुलासों ने अडाणी समूह और अडाणी के विश्वसनीय लोगों के बीच के घनिष्ठ संबंधों के गुप्त नेटवर्क को और स्पष्ट रूप से सामने ला दिया है। यह नेटवर्क न सिर्फ़ कथित तौर पर 'राउंड-ट्रिपिंग' और धनशोधन में शामिल है, बल्कि सेबी के कानूनों का खुलेआम उल्लंघन भी करता है।'' उन्होंने दावा किया, ''इन खुलासों में दो नाम सामने आए हैं: चांग चुंग-लिंग और नासिर अली शाबान अहली। चांग और अहली की पहचान बिचौलिए के रूप में हुई है।

सुविचार

तारीख हज़ार साल में बस इतनी सी बदली है, तब दौर पत्थर का था, अब लोग पत्थर के हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बहुत आगे बढ़ना है ...

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' की 106वीं कड़ी में जिन बातों का उल्लेख किया, वे आज अत्यंत प्रासंगिक हैं। खासतौर से 'वोकल फॉर लोकल' तो ऐसा आह्वान है, जिस पर देशवासियों को बहुत गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। कोरोना काल ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया कि अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए स्थानीय कारोबार का मजबूत होना बहुत जरूरी है। जब महात्मा गांधी ने स्वदेशी अपनाने का आह्वान किया था तो इस पर कई सवाल उठाए गए थे। कहा जाता था कि जिन अंग्रेजों के साम्राज्य में कभी सूर्यास्त नहीं होता, वहां चरखा चलाकर अपने उद्योगों को कैसे ज़िंदा रखा जा सकता है? लेकिन वही चरखा बाद में स्वदेशी का प्रतीक बन गया। आज भीमकाय मशीनों का ज़माना है। हर दिन नई टेक्नोलॉजी आ रही है, लेकिन स्वदेशी का महत्त्व अपनी जगह बरकरार है। प्रधानमंत्री ने उचित ही कहा कि 'हमारे त्योहारों में हमारी प्राथमिकता हो 'वोकल फॉर लोकल' और हम मिलकर उस सपने को पूरा करें, हमारा सपना है– आत्मनिर्भर भारत। इस बार ऐसे उत्पाद से ही घर को रोशन करें, जिसमें मेरे किसी देशवासी के पसीने की महक हो, मेरे देश के किसी युवा की प्रतिभा हो। उसके बनने में मेरे देशवासियों को रोज़गार मिला हो।' दूसरा विश्वयुद्ध समाप्त होने तक जापान खंडहरों का ढेर बन चुका था। उसके बाद इस देश ने जिस तरह अपनी अर्थव्यवस्था को संजीवनी देते हुए उसमें ऊर्जा भरी, वह 'स्वदेशी अपनाने' का परिणाम था। जापान ने अपनी ज़रूरत का सामान तो बनाया ही, दुनिया को निर्यात भी किया। हमसे आबादी और क्षेत्रफल में बहुत छोटा यह देश आज दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था है। अगर हम अपनी शक्ति और सामर्थ्य का पूर्ण उपयोग करते हुए स्वदेशी को अपनाएं, उद्यमिता को प्रोत्साहित करें तो दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने हाल के वर्षों में 'वोकल फॉर लोकल' को इतनी बार दोहराया है कि अब 'लोकल' शब्द की कुछ अहमियत तो ज़रूर बढ़ गई है। पहले, कई दशकों से ऐसे माल को 'लोकल' समझा जाता था, जिसकी गुणवत्ता ठीक न हो। आपने भी लोगों को यह कहते सुना होगा– 'अरे भैया! यह लोकल माल नहीं, कोई अच्छा माल दिखाओ। ... हमसे रुपए तो अच्छे माल के ले लिए, लेकिन यह तो लोकल निकला। ... हम उस बाज़ार में गए थे, वहां शानदार चीज़ें मिलती हैं, लोकल का कहीं नाम ही नहीं!' ऐसा कहा जाए तो ग़लत नहीं होगा कि हमारे दिलो-दिमाग में साजिशन यह बात बैठाई गई कि 'लोकल' का अर्थ 'खराब' होता है। अगर किसी सामान्य व्यक्ति से पूछा जाए कि 'लोकल माल' सुनते ही आपके मन में कैसी तस्वीर उभरती है, तो उसका जवाब यही होगा– 'जो माल अच्छा न हो।' हालांकि अंग्रेज़ी के विख्यात शब्दकोशों में 'लोकल' के अर्थ ये बताए गए हैं– 'स्थानीय, स्थानिक, मुक़ामी, किसी विशिष्ट स्थान का।' लोकल के साथ 'खराब गुणवत्ता' के दुष्प्रचार को इस तरह जोड़ दिया गया कि अब इसे दूर करने के लिए खूब मेहनत करनी होगी। प्रधानमंत्री के ये शब्द इसी दिशा में अच्छी कोशिश कहे जा सकते हैं– 'रोज़मर्रा की ज़िंदगी की कोई भी आवश्यकता हो, हम लोकल ही लेंगे। लेकिन आपको एक और बात पर गौर करना होगा। 'वोकल फॉर लोकल' की यह भावना सिर्फ त्योहारों की खरीदारी तक के लिए सीमित नहीं है और कहीं तो मैंने देखा है, दीपावली का दीया लेते हैं, फिर सोशल मीडिया पर डालते हैं 'वोकल फॉर लोकल' नहीं जी, वह तो शुरुआत है। हमें बहुत आगे बढ़ना है ...।'

ट्वीटर टॉक

देश के वरिष्ठ वैज्ञानिक जिन्होंने भारत को परमाणु महाशक्ति बनाने में अपना अतुल्य योगदान दिया, ऐसे महान व्यक्तित्व के धनी डॉ. होमी जहांगीर भाभा जी की जयंती पर उनके श्रेष्ठ कार्यों का स्मरण करते हुए उन्हें नमन करता हूं।

–सीपी जोशी

वाह जादूगर गहलोत जी, आपकी जादूगरी की मिसाल नहीं। फ्री बिजली लेकिन तारों में करंट नहीं। प्रदेश में हजारों उद्योग धंधे आपके गलत निर्णयों से चौपट हो चुके हैं। किसानों को साढ़े चार वर्षों तक बिजली के लिए तरसाने के बाद आपने अंतिम छह महीनों में फ्री बिजली का वादा किया ।

–सतीश पूनिया

आंध्र प्रदेश के विजयनगरम में हुई भीषण रेल दुर्घटना अत्यंत दुःखद एवं हृदयविदारक है। इस हादसे में प्राण गंवाने वाले लोगों के परिजनों के प्रति मैं गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं एवं घायलों के शीघ्र स्वाथ्य लाभ के लिए ईश्वर से प्रार्थना करता हूं।

–सचिन पायलट

प्रेरक प्रसंग

मुश्किलों में राह

एक बार एक लड़की ने अपने पिता से अपनी मुश्किलें बताते हुए कहा कि, 'मेरी ज़िंदगी बहुत कष्टकारी होती जा रही है, मैं क्या करूं?' पिता शेफ थे, बेटी को रसोई में ले गये। तीन बर्तनों में पानी भर के उसे गैस पर रख दिया। पानी उबलने के बाद उसने एक बर्तन में आलू, दूसरे में अंडा और तीसरे में कॉफी के बीज डाल दिए। कुछ देर बाद गैस बंद की और सभी को बारी-बारी से निकालना शुरू किया। फिर कॉफी को कप में निकाल दिया। तब पिता ने पुत्री से कहा कि देखो आलू अब कोमल हो गया है। अंडा भी अब उबल चुका था। फिर पिता ने पुत्री से कॉफी का एक घूंट पीने के लिए कहा। पुत्री ने एक घूंट पिया, स्वाद होने के कारण उसका मन प्रसन्न हो गया। तब पिता ने समझाया आलू, अंडा एवं कॉफी सभी को एक ही तरह की स्थिति मिली। लेकिन सभी की प्रतिक्रिया भिन्न थी। आलू के ठोस होने के बावजूद गर्म पानी से वो खुद ही कोमल हो गया। ऐसा ही कुछ अंडे के साथ हुआ, लेकिन जो कॉफी के बीज थे, अलग होने के कारण उन्होंने पानी को ही परिवर्तित करके कुछ नया पदार्थ बना दिया। उसी प्रकार तुम्हारी समस्या के प्रति तुम्हारी प्रतिक्रिया ही तुम्हें सफल बनायेगी।

सामयिक

लौहपुरुष एवं भारत के बिस्मार्क थे सरदार पटेल

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

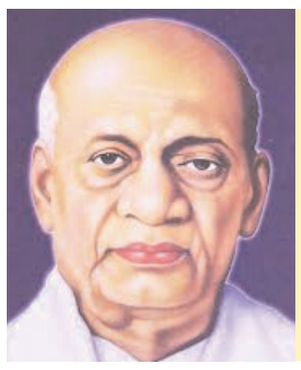

निःसंदेह स्वतंत्र भारत के प्रथम उप प्रधानमंत्री व गृहमंत्री सरदार पटेल भारतीय स्वाधीनता संग्राम के अग्रणी योद्धा व भारत सरकार के आधार स्तंभ थे। वे ही भारत के प्रथम प्रधानमंत्री बनने वाले थे, लेकिन जवाहरलाल नेहरू की हठ एवं गांधी के कहने पर पटेल पीछे हटे। आजादी से पहले भारत की राजनीति में इनकी दृढ़ता और कार्यकुशलता ने इन्हें स्थापित किया और आजादी के बाद भारतीय राजनीति में उत्पन्न विपरीत परिस्थितियों को देश के अनुकूल बनाने की क्षमताओं ने सरदार पटेल का कद काफी बड़ा कर दिया।

अदम्य उत्साह, असीम शक्ति एवं कर्मठता से नवजात भारत गणराज्य की प्रारम्भिक कठिनाइयों का समाधान कर विश्व के राजनीतिक मानचित्र पर एक अमिट आलेख लिखने वाले सरदार वल्लभभाई पटेल को भारत के लौह पुरुष के रूप में जाना जाता है। राष्ट्रीय आंदोलन से लेकर आज़ादी के बाद भी, सरदार पटेल का योगदान अविस्मरणीय है। महात्मा गांधी ने उन्हें सरदार की उपाधि दी थी। उनकी अखण्ड भारत को लेकर जितनी बड़ी कल्पनाएं थी, जितने बड़े सपने थे, उसी के अनुरूप लक्ष्य बनाये और उतने ही महत्वपूर्ण कार्य सफलतापूर्वक किये। इसलिये उन्हें भारत के बिस्मार्क के रूप में भी जाना जाता है। भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन एवं आजादी के बाद आधुनिक भारत को वैचारिक एवं क्रियात्मक रूप में एक नई दिशा देने, 562 रियासतों का एकीकरण कर संगठित राष्ट्र निर्मित करने के कारण पटेल ने राजनीतिक इतिहास में एक गौरवपूर्ण, ऐतिहासिक एवं स्वर्णिम स्थान प्राप्त किया। वास्तव में वे आधुनिक भारत के शिल्पी थे। भारत की माटी को प्रणम्य बनाने एवं कालखंड को अमरता प्रदान करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सरदार पटेल के कठोर व्यक्तित्व में बिस्मार्क जैसी संगठन कुशलता, कौटिल्य जैसी राजनीति दूरदर्शिता तथा राष्ट्रीय एकता के प्रति अब्राहम लिंकन जैसी अटूट निष्ठा थी। राजनीतिक कारणों से इस लोकपुरुष को उतना गौरवपूर्ण स्थान नहीं मिला, जितना अपेक्षित था। लेकिन नरेन्द्र मोदी ने इस कमी को पूरा करते हुए इतिहास-पुरुष पटेल की जन्म दिवस प्रतिवर्ष देशभर के सरकारी-गैर सरकारी संस्थानों, विश्वविद्यालयों और स्कूलों में राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाये जाने की परम्परा का सूत्रपात किया। उनकी जयंती के मौके पर गुजरात के केवड़िया में उनकी 182 मीटर ऊंची मूर्ति स्टेच्यू ऑफ़ यूनिटी राष्ट्र को समर्पित की गई है जोकि देश की एकता में उनके योगदान को इंगित करती है।

वास्तव में, सरदार पटेल होना आसान नहीं है। पटेल एक मज़बूत, अडिग और दृढ़ संकल्पित व्यक्तित्व के धनी थे, भारत के देशभक्तों में एक अमूल्य रत्न थे एवं आधुनिक भारत के शक्ति स्तम्भ थे। आत्म-त्याग, अनवरत सेवा तथा दूसरों को दिव्य-शक्ति की चेतना देने वाला उनका जीवन सदैव प्रकाश-स्तम्भ की अमर ज्योतित रहेगा। वे मन, वचन तथा कर्म से एक सच्चे भारतीय एवं भारतीयता के प्रतीक पुरुष थे। वे वर्ण-भेद तथा वर्ग-भेद के कट्टर विरोधी थे। वे अन्तःकरण से निर्भीक थे। अद्भुत अनुशासन प्रियता, अपूर्व संगठन-शक्ति, शीघ्र निर्णय लेने की क्षमता एवं अनूठी प्रशासनिक क्षमता उनके चरित्र के अनुकरणीय अलंकरण थे। कर्म उनके जीवन का साधन था। संघर्ष को वे जीवन की व्यस्तता समझते थे। गांधीजी के कुशल नेतृत्व में सरदार पटेल का स्वतन्त्रता आन्दोलन में योगदान उत्कृष्ट एवं महत्त्वपूर्ण रहा है।

सरदार पटेल का व्यक्तित्व विवादास्पद रहा है। प्रायः उन्हें 'असमझौतावादी', 'पूँजी समर्थक', 'मुस्लिम विरोधी', तथा 'वामपक्ष विरोधी' कहा जाता है। पटेल की राजनीतिक भूमिका, योगदान तथा चिंतन का सही विश्लेषण किया जाना एवं उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व को लेकर पैदा की गयी भ्रान्तियाँ दूर कर पक्षपातों तथा पूर्वाग्रहों से रहित वास्तविक तथ्यों को उजागर किये जाने के प्रयास अपेक्षित है। उनके राजनीतिक जीवन से सम्बन्धित उपेक्षित या छिपे हुए महत्त्वपूर्ण तथ्यों को सामने लाकर उसका आलोचनात्मक विश्लेषण किया जाये, ताकि भारत के स्वतंत्रता संग्राम एवं आधुनिक भारत के निर्माण के प्रारंभिक इतिहास का वास्तविक स्वरूप सामने आये। निःसंदेह सरदार पटेल द्वारा 562 रियासतों का एकीकरण विश्व इतिहास का एक आश्चर्य था। भारत की यह रक्तहीन क्रांति थी। 1947 में भारत को आजादी तो मिली लेकिन बिखरी हुई। इतनी रियासतें थीं, कुछ बेहद छोटी तो कुछ बड़ी। ज्यादातर राजा भारत में विलय के लिए तैयार थे। लेकिन, कुछ ऐसे भी थे जो स्वतंत्र रहना चाहते थे। यानी ये देश की एकता के लिए खतरा थे। सरदार पटेल ने इन्हें बुलाया और समझाया। वे मानने के लिए तैयार नहीं हुए तो पटेल ने सैन्य शक्ति का इस्तेमाल किया। सरदार पटेल ने फरीदकोट के नक्शे पर अपनी लाल पैंसिल घुमाते हुए केवल इतना पूछा कि 'क्या मर्जी है?' राजा कांप उठा। आज एकता के सूत्र में बंधे भारत के लिए देश सरदार पटेल का ही ऋणी है। लक्षद्वीप समूह को भारत में मिलाने में भी पटेल की महत्त्वपूर्ण भूमिका थी। महात्मा गांधी ने सरदार पटेल के बारे में लिखा था, 'रियासतों की समस्या इतनी जटिल थी जिसे केवल तुम ही हल कर सकते थे।' कहा जाता है कि एक बार उनसे किसी अंग्रेज ने इस बारे में पूछा तो सरदार पटेल ने कहा– 'मेरा भारत बिखरने के लिए नहीं बना। फ्रैंक मोराएस ने लिखा भी है– एक विचारक आपका ध्यान आकर्षित करता है, एक आदर्शवादी आदर का आह्वान करता है, पर कर्मठ व्यक्ति, जिसको बातें कम और काम अधिक करने का श्रेय प्राप्त होता है, लोगों पर छा जाने का आदी होता है, और पटेल एक कर्मठ व्यक्ति थे।'

निःसंदेह स्वतंत्र भारत के प्रथम उप प्रधानमंत्री व गृहमंत्री सरदार पटेल भारतीय स्वाधीनता संग्राम के अग्रणी योद्धा व भारत सरकार के आधार स्तंभ थे। वे ही भारत के प्रथम प्रधानमंत्री बनने वाले थे, लेकिन जवाहरलाल नेहरू की हठ एवं गांधी के कहने पर पटेल पीछे हटे। आजादी से पहले भारत की राजनीति में इनकी दृढ़ता और कार्यकुशलता ने इन्हें स्थापित किया और आजादी के बाद भारतीय राजनीति में उत्पन्न विपरीत परिस्थितियों को देश के अनुकूल बनाने की क्षमताओं ने सरदार पटेल का कद काफी बड़ा कर दिया। सरदार पटेल गृहमंत्री के पद पर रहते हुए जहां पाकिस्तान की छद्म व चालाकीपूर्ण चालों से सतर्क थे वहीं देश के विघटनकारी तत्वों से भी सावधान करते थे।

विशेषकर वे भारत में मुस्लिम लीग तथा कम्युनिस्टों की विभेदकारी तथा रूस के प्रति उनकी भक्ति से सजग थे। यदि पटेल के कहने पर चलते तो कश्मीर, चीन, तिब्बत व नेपाल के हालात आज जैसे न होते। पटेल सही मायनों में मनु के शासन की कल्पना थे। उनमें कौटिल्य की कूटनीतिज्ञता तथा महाराज शिवाजी की दूरदर्शिता थी। वे केवल राजनीति के सरदार ही नहीं बल्कि भारतीयों के हृदय के सरदार थे। यदि पटेल की बात मानी गई होती तो 1961 तक गोवा की स्वतंत्रता की प्रतीक्षा न करनी पड़ती। गृहमंत्री के रूप में वे पहले व्यक्ति थे जिन्होंने भारतीय नागरिक सेवाओं (आईसीएस) का भारतीयकरण कर इन्हें भारतीय प्रशासनिक सेवाएं (आईएएस) बनाया। अंग्रेजों की सेवा करने वालों में विश्वास भरकर उन्हें राजभक्ति से देशभक्ति की ओर मोड़ा। यदि सरदार पटेल कुछ वर्ष जीवित रहते तो संभवतः नौकरशाही का पूर्ण कायाकल्प हो जाता। पडौसी देशों एवं कश्मीर की समस्या भी इतनी लम्बी नहीं होती। क्योंकि सरदार पटेल शास्त्रों के नहीं, शस्त्रों के पुजारी थे। पटेल अखण्ड एवं सुदृढ़ भारत का सपना देखते थे।

ज्ञान विज्ञान

क्या है किलोनोवा विस्फोट?

ब्रिटेन में शेफील्ड विश्वविद्यालय के एक भारतवंशी खगोलशास्त्री समेत वैज्ञानिकों की एक टीम ने अत्याधुनिक कैमरे के जरिये ब्रह्मांड में सबसे भारी रासायनिक तत्वों के निर्माण की गुत्थी को सुलझाने में मदद की है। शेफील्ड विश्वविद्यालय के भौतिकी और खगोल विज्ञान विभाग के प्रोफेसर विक ढिल्लों ने कहा कि कैमरा गामा-किरण विस्फोट के स्थान को इंगित करने वाला पहला उपकरण है जिसने किलोनोवा विस्फोट की शुरुआत का संकेत दिया है। ढिल्लों अल्ट्राकैम परियोजना का नेतृत्व कर रहे हैं। एक किलोनोवा दो घने न्यूट्रॉन तारों का विलय होता है और यह महत्वपूर्ण है क्योंकि माना जाता है कि उनके विस्फोट से सबसे भारी तत्व बनते हैं, जिनमें पृथ्वी पर पाए जाने वाले अधिकांश सोना, प्लैटिनम और यूरेनियम शामिल हैं। ढिल्लों ने कहा, हमारा कैमरा अल्ट्राकैम गामा-रे विस्फोट के स्थान को इंगित करने वाला पहला उपकरण था, जो अब तक देखा गया दूसरा सबसे चमकीला उपकरण था, जिसने किलोनोवा विस्फोट की शुरुआत का संकेत दिया। उन्होंने कहा, यह केवल दूसरा सुरक्षित किलोनोवा है जिसका पता चला है। किलोनोवा विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं क्योंकि ऐसा माना जाता है कि सोना, प्लैटिनम और यूरेनियम सहित यहीं पर आवर्त सारणी के अधिकांश भारी तत्व पैदा होते हैं।

विशेष

क्यों सरदार पटेल को भारत रत्न देने में हुई देरी?

आर.के. सिन्हा

रवि शंकर

बिहार पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल भारत के उन महान जन नेताओं से थे, जिन्हें कभी उनका हक नहीं मिला। देश की स्वतंत्रता के पश्चात सरदार पटेल देश उप-प्रधानमंत्री के साथ प्रथम गृह, सूचना तथा रियासत विभाग के मंत्री बने। सरदार पटेल को उनके निधन के दशकों बाद 1991 में भारत के सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान भारतरत्न से नवाजा गया। उन्हें भारत रत्न देने में इतने साल क्यों लगे? क्या कांग्रेस का कोई नेता बताएगा कि केन्द्र की कांग्रेस सरकारों ने सरदार पटेल को भारत रत्न देने में इतना वक्त वक्त क्यों लगाया ? सरदार पटेल महान देशभक्त, दूरदर्शी एवं लोकप्रिय जननेता थे। इतने लोकप्रिय कि जब कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक प्रधानमंत्री के चुनाव के लिये बुलाई गई थी तब सारे मत सरदार पटेल के पक्ष में ही पड़े थे ख मात्र एक नेहरु जी ने अपने लिये वोट डाला था पर गाँधी जी ने सबके सामने पटेल को बुलाकर नेहरु का नाम प्रस्तावित करने को कहा था जो उन्होंने किया ख सरदार पटेल ने किसानों के हितों के लिए जीवन भर संघर्ष किया। वे अखिल भारतीय प्रशासनिक सेवाओं के भी जनक थे। सरदार पटेल ने बारदौली में किसानों के आंदोलन का नेतृत्व किया तथा अंग्रेजों को झुकने पर मजबूर कर दिया था। अंग्रेजों ने वर्ष 1947 में भारत को स्वतंत्र तो कर दिया था परंतु, 562 से अधिक रियासतों को उनकी मर्जी पर छोड़ दिया। सरदार पटेल ने अपनी सूझबूझ से एक कश्मीर को छोड़कर सभी रियासतों को भारत के तिरंगे के नीचे विलय करवा दिया तथा अखंड भारत का निर्माण किया। उन्होंने जिस प्रकार से आजादी के बाद देश में मौजूद चुनौतियों का सामना करके राष्ट्र की एकता में अहम भूमिका निभाई उसके लिए देश हमेशा उनका कृतज्ञ रहना होगा। मात्र एक रियासत कश्मीर को नेहरु ने जिद करके अपने जिम्मे रखा और हम अभी तक उसके साथ जूझ रहे हैं बेशक, सरदार पटेल के फैसले के कारण ही हैदराबाद रियासत का भारतीय संघ में विलय 17 सितंबर, 1948 को हुआ। उससे पहले 'ऑपरेशन पोलो' चलाया गया। जिसके बाद ही हैदराबाद का दुष्ट नवाब घुटनों के बल पर आया था। भारत की स्वतंत्रता के बाद जब भारतीय संघ का गठन हो रहा था, तब हैदराबाद के निजाम ने भारत से विलय में आनाकानी करनी शुरू कर दी थी। हालांकि, वहां हिन्दू बहुमत में थे और वह राज्य का मुसलमान शासक था। आखिरी निजाम ओस्मान अली खान ने अपनी सेना के बल पर राज करने का फैसला किया था। निजाम ने ज्यादातर मुस्लिम सैनिकों वाली रजाकारों की सेना बनाई। सरदार पटेल चाहते थे कि हैदराबाद के निजाम खुद भारत संघ में सम्मिलित हो जायें। लेकिन निजाम के अड़ियल रवैये के कारण सरदार पटेल ने हैदराबाद में पुलिस एक्शन का फैसला किया। इस काम में सिर्फ पांच दिन लगे। इसमें करीब 40 हजार जानें गईं थी। हालांकि जानकार ये आंकड़ा दो लाख से भी ज्यादा बताते हैं।

सरदार पटेल भारत की भारतीय प्रशासनिक सेवाओं के जनक भी थे। राजधानी के सिविल लाइंस पर स्थित मेटकाफ हाउस का लौह पुरुष सरदार पटेल से एक बेहद करीबा नाता रहा है। इधर ही सरदार पटेल ने 21 अप्रैल, 1947 स्वतंत्र होने जा रहे भारत के नौकरशाहों को सुराज के महत्व पर संबोधित किया था। अपने भाषण में उन्होंने सिविल सेवकों को भारत का स्टील फ्रेम कहा। इसका मतलब यह था कि सरकार के विभिन्न स्तरों पर कार्यरत सिविल सेवक देश की प्रशासनिक व्यवस्था के सहायक स्तंभों के रूप में कार्य करते हैं। इसलिए वर्ष 2006 से 21 अप्रैल को राष्ट्रीय नागरिक सेवा दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिन लोक प्रशासन में विशिष्टता के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कार भी देते हैं।

सरदार पटेल सदैव देश हित में फैसले लेते थे। वे ईमानदारी की मिसाल थे। उनके पास खुद का मकान भी नहीं था। 15 दिसंबर 1950 को जब उनका निधन हुआ, तब उनके बैंक खाते में सिर्फ 260 रुपए मौजूद थे। सरदार पटेल 1, एपीजे अब्दुल कलाम रोड (पहले औरंगजेब रोड) पर स्थित एक निजी बंगले के एक हिस्से में रहते थे। यह बंगला था बनवारी खंडेलवाल का। वे सरदार पटेल के मित्र थे। सरदार पटेल ने इस बंगले में रहते हुए ही देश को आजादी मिलने के बाद 562 रियासतों का भारत में विलय करवाया। यहां पर ही रहते हुए उन्होंने हैदराबाद रियासत में पुलिस एक्शन की रणनीति अपने सलाहकारों के साथ मिलकर बनाई थी। सरदार पटेल के साथ दिल्ली में उनकी पुत्री मणिबेन पटेल भी रहती थीं। सरदार पटेल की बेटी और जवाहर लाल नेहरू-इंदिरा गांधी की तरह ही सरदार पटेल-मणिबेन पिता-पुत्री की जोड़ी भारत के स्वतंत्रता संग्राम में अद्वितीय जोड़ी थी। मणिबेन ने सुखी जीवन को छोड़कर अपने पिता के पदचिन्हों पर चलने में जीवन का अर्थ देखा। जब तक सरदार पटेल जीवित रहे, मणिबेन ने उनकी निरंतर सेवा की। उनकी आशाओं और निराशाओं, दुखों और ख़ुशियों को बेहद क़रीब से देखा। सरदार की मृत्यु के बाद, मणिबेन राजनीति में सक्रिय हुईं और लगभग तीन दशकों तक एक सांसद के रूप में समाज सेवा करती रहीं। इस दौरान सादगी के गांधीजी-सरदार पटेल से मिले संस्कारों का आजीवन पालन किया। अफसोस कि जिस घर में रहते हुए आजाद भारत के इतिहास से जुड़े इतने अहम फैसले सरदार पटेल ने लिए, उस स्थान के बाहर कोई शिला पट्ट तक लगाने की किसी ने कोशिश नहीं की, ताकि देश की युवा पीढ़ी को पता चलता कि भारत के लिए सरदार पटेल का दिल्ली का घर कितनी अहमियत रखता है।

गांधीजी के भी विश्वासपात्र रहे थे सरदार पटेल। गांधी जी 2 अक्तूबर 1947 को अपने अंतिम जन्म दिन पर राजधानी के तीस जनवरी मार्ग पर स्थित बिड़ला हाउस में थे। उन्होंने उस दिन उपवास, प्रार्थना और अपने चरखे पर अधिक समय बिताकर मनाया। वे उस दिन बहुत निराश और असहाय थे। देश की तब की परिस्थितियों के कारण गांधीजी अकेले और अलग-थलग महसूस करने लगे थे। गांधीजी की निराशा स्पष्ट थी । उस दिन उनसे सरदार पटेल भी मिलने आए थे। गांधी जी ने सरदार पटेल से खुलकर बात की और उनसे पूछा, मैंने ऐसा क्या अपराध किया है कि मुझे यह दुखद दिन देखने के लिए जीवित रहना पड़ रहा है? सरदार पटेल की बेटी मणिबेन पटेल ने कहा, हम वहां उत्साह के साथ गए थे; लेकिन हम भारी मन से लौट आये। गांधी जी से 30 जनवरी 1948 को भी मिलने वाले अंतिम शख्स सरदार पटेल ही थे। लेकिन, पटेल का त्याग और गाँधी के अत्यधिक नेहरु प्रेम का खामियाजा जो देश ने भुगता वह तो सबको पता है ही।

(लेखक पूर्व सांसद हैं)

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

बैठक

केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता नितिन गडकरी सोमवार को मिजोरम के डंपा में विधानसभा चुनाव के लिए एक सार्वजनिक बैठक में भाग लेते हुए।

डब्ल्यूटीओ के विवाद निपटान निकाय में सुधारों के लिए औपचारिक बातचीत चाहता है भारत

नई दिल्ली/भाषा

भारत ने विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के विवाद निपटान निकाय में सुधार के लिए डब्ल्यूटीओ सदस्यों से औपचारिक बातचीत शुरू करने का आह्वान किया है। भारत का मानना है कि मौजूदा अनौपचारिक विचार-विमर्श कई देशों के लिए वार्ता में भागीदारी को लेकर अड़चन पैदा कर रहा है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

अधिकारी ने कहा कि इस विषय पर औपचारिक बातचीत से अगले साल फरवरी में अबू धाबी में डब्ल्यूटीओ के निर्णय लेने वाले शीर्ष निकाय 13वें मंत्रिस्तरीय सम्मेलन (एमसी) में किसी तरह की सहमति बनाने में मदद मिल सकती है।

पिछले सप्ताह जिनेवा में डब्ल्यूटीओ सदस्यों के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक के दौरान यह मुद्दा उठा। कुछ देशों ने बातचीत की अनौपचारिक प्रणाली पर अपनी चिंताएं जताईं। अधिकारी ने कहा, ''हमें इस प्रक्रिया को जल्द से जल्द औपचारिक बनाना होगा। भारत ने कहा कि अगर आप डब्ल्यूटीओ की विश्वसनीयता बनाए रखना चाहते हैं, तो हमें इसपर बात करने की जरूरत है।'' डब्ल्यूटीओ का विवाद निपटान निकाय (डीएसबी) इस 164 सदस्यीय निकाय का एक महत्वपूर्ण अंग है। वैश्विक निर्यात और आयात संबंधी नियमों की निगरानी के अलावा यह सदस्य देशों के बीच व्यापार विवादों पर निर्णय लेता है।

अधिकारी ने कहा, ''अमेरिका ने डीएसबी सुधारों में शामिल होना शुरू कर दिया है, लेकिन अनौपचारिक तरीके से। इसमें सभी सदस्यों को बोलने का मौका नहीं मिलता है। इन अनौपचारिक बैठकों में व्याख्या की कोई सुविधा नहीं है।'' कई डब्ल्यूटीओ सदस्य देशों के एक या दो प्रतिनिधि केवल जिनेवा में हैं। इसलिए वे सामान्य परिषद जैसी विभिन्न बैठकों में व्यस्त हो जाते हैं और इस वजह से डीएसबी सुधारों पर विचार-विमर्श में भाग नहीं ले पाते हैं।

प्रेस वार्ता

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण, युवा मामले एवं खेल मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर मेरी माटी मेरा देश के तहत देश के हर कोने से मिट्टी को एक विशाल अमृत कलश में डालने के अवसर पर मीडिया से बातचीत करते हुए।

इजराइल-हमास संघर्ष पर कांग्रेस का रुख वोट बैंक की राजनीति से प्रेरित: भाजपा

नई दिल्ली/भाषा

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को इजराइल-हमास संघर्ष पर कांग्रेस के रुख की आलोचना करते हुए इसे वोट बैंक की राजनीति से प्रेरित करार दिया और पूछा कि आखिरी बार प्रमुख विपक्षी पार्टी की सबसे वरिष्ठ नेता ने अंतरराष्ट्रीय संघर्ष पर अखबार में कब लिखा था।

भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कांग्रेस पर यह तीखा हमला ऐसे समय में किया है, जब कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने एक अखबार में लिखे लेख में कहा कि उनकी पार्टी संयुक्त राष्ट्र के उस हालिया प्रस्ताव पर भारत के अनुपस्थित रहने का 'कड़ा विरोध' करती है, जिसमें गाजा में पैदा हुए संकट के बीच मानवीय संघर्ष विराम का आह्वान किया गया है। सरकारी सूत्रों ने कहा है कि प्रस्ताव में हमास के आतंकवादियों द्वारा सात अक्टूबर को इजराइल पर किए गए हमले का कोई जिक्र नहीं होना भारत के अनुपस्थित रहने का कारण है, क्योंकि आतंकवाद से कोई समझौता नहीं किया जा सकता। सोनिया गांधी ने सरकार के फैसले की आलोचना की और कहा कि 'मानवता अब इम्तिहान के दौर से गुजर रही है'। उन्होंने कहा कि यह त्रासदी गाजा में और उसके आसपास इजराइली सेना के 'अंधाधुंध अभियानों' के कारण और बढ़ गई है, जिसके चलते बड़ी संख्या में निर्दोष बच्चों, महिलाओं और पुरुषों सहित हजारों लोगों की मौत हो गई है।

कांग्रेस पर पलटवार करते हुए त्रिवेदी ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि आतंकवाद और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर कोई राजनीति नहीं हो सकती। उन्होंने कहा कि आतंकवाद पर अगर-मगर की कोई गुंजाइश नहीं होनी चाहिए और भारत का रुख स्पष्ट है। उन्होंने सवाल किया कि कांग्रेस की वरिष्ठतम नेता ने आखिरी बार अंतरराष्ट्रीय संघर्ष पर कब लिखा था? उन्होंने कहा, ''यह दुखद है कि कांग्रेस की नीति भारत की प्रतिष्ठा और गरिमा के अनुरूप नहीं है, बल्कि तुच्छ वोट बैंक की राजनीति से प्रेरित है। कांग्रेस जो कुछ भी कर रही है, वह भारत की नीति के खिलाफ है।''

उन्होंने कांग्रेस की आलोचना करते हुए कहा कि यहां तक कि आतंकवाद को अप्रत्यक्ष समर्थन भी मानवता और भारत की सुरक्षा एवं हितों को नुकसान पहुंचा रहा है। त्रिवेदी ने कहा कि राजीव गांधी सरकार के समय में ही इजराइल के साथ राजनयिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए जमीन तैयार की गई थी और पी वी नरसिंह राव के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा दोनों देशों के बीच पूर्ण राजनयिक संबंध स्थापित किए गए।

मुलाकात

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने सोमवार को विजयनगरम सरकारी अस्पताल में ट्रेन दुर्घटना में घायल लोगों से मुलाकात करते हुए।

आधी आबादी को नजरअंदाज करके कोई भी समाज समर्थ और सशक्त नहीं हो सकता : योगी आदित्यनाथ

मिर्जापुर/भाषा

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि आधी आबादी को नजरअंदाज करके कोई भी समाज समर्थ और सशक्त नहीं हो सकता है। मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने सोमवार को बाबू उपरौध इंटर कॉलेज मैदान में आयोजित 'नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम' को संबोधित करते हुए कहा,प्रधानमंत्री का संकल्प है कि आधी आबादी को पूरा सम्मान हर हाल में मिलना ही चाहिए। उनके संकल्प को प्रदेश सरकार तमाम योजनाओं के माध्यम से पूरा कर रही है।

सोमवार को जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार अपने संबोधन में आदित्यनाथ ने कहा, 'आधी आबादी को नजरअंदाज करके कोई भी समाज समर्थ और सशक्त नहीं हो सकता। उन्होंने कहा, इसे नये भारत के

शिल्पी प्रधानमंत्री मोदी ने 2014 में स्पष्ट कर दिया था, जब उन्होंने 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' कार्यक्रम की शुरुआत की। आजादी के 70 साल बाद पहली बार देश में लगा कि महिलाएं भी देश के राजनीतिक एजेंडा की मुख्य हिस्सा हैं।'

इस दौरान मुख्यमंत्री ने जिले के लिए 202 करोड़ रुपये की 660 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश की नई संसद बनने के उपरांत पहले ही सत्र में देश की आधी आबादी की वर्षों की मांग को नारी शक्ति वंदन अधिनियम के जरिए पूरा किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि नारी शक्ति के प्रति श्रद्धा और सम्मान का भाव हमारे मन में हमेशा बना रहे इसी के लिए मां विंध्यवासिनी के धाम में भव्य कॉरिडोर का निर्माण कराया जा रहा है। पहले मां विंध्यवासिनी के धाम में एक साल में जितने श्रद्धालु आते थे, आज केवल नवरात्रि के अवसर पर उससे अधिक श्रद्धालु यहां आ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, हमारी सरकार ने तय किया है कि मिर्जापुर और सोनभद्र के अनुसूचित जाति और जनजातियों के लिए मुख्यमंत्री आवास योजना के अंतर्गत एक एक आवास देने का कार्य होगा। उन्होंने स्थानीय जनप्रतिनिधियों से आग्रह किया कि वे विश्वविद्यालय के लिए जल्द से जल्द जमीन चिन्हित करके प्रस्ताव भेजें ताकि अधिनियम बनाकर उसका शीघ्रातिशीघ्र यहां शिलान्यास किया जा सके।

अपने माता-पिता को कभी हल्के में नहीं लें : अनुपम खेर

मुंबई/एजेन्सी

अनुभवी अभिनेता अनुपम खेर ने माता-पिता का महत्व बताते हुए हाल ही में एक लंबा वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें वह कह रहे हैं कि अपने माता-पिता को कभी भी हल्के में नहीं लेना चाहिए और यह कभी नहीं भूलना चाहिए कि हम जहां भी खड़े हैं, वह हमारे माता-पिता की देखभाल, प्यार और आशीर्वाद का नतीजा है, जिसने हमें उस मुकाम तक पहुंचाया है।अभिनेता ने अपने इंस्टाग्राम पर एक लंबा वीडियो पोस्ट किया। बैकग्राउंड में अपनी और अपनी मां की तस्वीर के साथ, 'द वैक्सीन वॉर' अभिनेता ने रील को कैप्शन दिया : माता-पिता के आशीर्वाद से बढ़कर इस दुनिया में कुछ भी नहीं है। खासकर अगर आप अपने माता-पिता से दूर रहते हैं तो इन चार बातों का ध्यान रखें, हम अपने माता-पिता को सबसे ज्यादा महत्व देते हैं। उन्हें दिखाएं कि आप उनसे प्यार करते हैं और नियमित रूप से उनकी देखभाल करते हैं। यह उनके लिए दुनिया है, और ऐसा करने में ज्यादा कुछ नहीं लगता।

''उन्होंने कहा, दोस्तों, अगर आप अपने माता-पिता से अलग रह रहे हैं, तो कृपया हमेशा उन्हें कॉल करना सुनिश्चित करें। अब आप पूछेंगे कि क्या इमरजेंसी है। इमरजेंसी कुछ नहीं है आपको इन चार कारणों से उनसे बात करनी चहिए।''उन्होंने कहा : पहला कारण, हमेशा अपने माता-पिता से उनके स्वास्थ्य के बारे में पूछें और उन्हें अपने स्वास्थ्य के बारे में सूचित करें, क्योंकि आपका स्वास्थ्य हमेशा उनके लिए प्राथमिकता रखता है। यह पता लगने से कि आप स्वस्थ हैं, उन्हें बहुत राहत मिलेगी।'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' के

अभिनेता ने आगे बताया और विस्तार से कहा, दूसरा, उन्हें हमेशा यह बताना सुनिश्चित करें कि आप जहां भी हैं, सुरक्षित और खुश हैं। ऐसा इसलिए कि आपकी खुशी में ही उनकी खुशी छिपी होती है। तीसरी बात, उन्हें यह बताना कभी न भूलें कि आप आज जहां भी हैं, यह उनके प्यार और देखभाल के कारण है। उन्हें हमेशा बताएं कि आप अपनी जड़ों को नहीं भूले हैं, आप कहां से आए हैं, आपको अपने जीवन में किस तरह की बाधाओं से गुजरना पड़ा है, लेकिन आप हर चुनौती को पार करने में सक्षम थे क्योंकि वे आपके साथ थे।उन्होंने आगे कहा, अंत में यही कहूंगा कि हमेशा उन्हें यह बताना सुनिश्चित करें कि आप उनसे प्यार करते हैं, और यह उनके आशीर्वाद से है कि आप अब सफल और खुश हैं।

वे हमेशा खुश रहेंगे और राहत भी महसूस करेंगे। अब ये केवल बहुत ही बुनियादी बातें हैं, लेकिन अगर आप उन्हें ये चार बातें बताते हैं, तो आपके माता-पिता को यह जानकर बहुत आराम मिलता है कि आप उनसे कितना प्यार करते हैं और उनका सम्मान करते हैं।अपनी रील खत्म करते हुए उन्होंने कहा, तो आगे बढ़ो और अपना फोन उठाओ, अपनी मां और पिता से कहो 'मैं आपसे प्यार करता हूं। उसके बाद अभिनेता ने अपना फोन निकाला, अपनी मां को फोन किया और कहा, हां मां, मैं बस आपको बताना चाहता था कि मैं आपसे प्यार करता हूं।अनुपम खेर को हाल ही में फिल्म 'द वैक्सीन वॉर' में एक विशेष भूमिका और कन्नड़ ब्लॉकबस्टर फिल्म 'घोस्ट' में देखा गया था। वह अगली बार फिल्म 'द सिग्नल', 'कागज 2', 'छोटा भीम एंड द कर्स ऑफ दमयान' और 'द ग्रेट इंडियन हाउस' में नजर आएंगे।

फिल्म 'विवाह-3' का फर्स्ट लुक रिलीज

मुंबई/वार्ता

भोजपुरी सिनेमा के जानेमाने अभिनेता प्रदीप पांडेय चिंटू की आने वाली फिल्म विवाह 3 का फर्स्ट लुक रिलीज हो गया है। फिल्म विवाह सीरिज की तीसरी फिल्म विवाह 3 का फर्स्ट लुक रिलीज कर दिया गया है। इस फिल्म में एक बार फिर से प्रदीप पांडेय चिंटू मुख्य भूमिका में नज़र आने वाले हैं, वहीं आम्रपाली दुबे फिल्म विवाह 3 चिंटू के अपोजिट मुख्य भूमिका के लिए चुनी गयी है। यह फिल्म यशी फिल्म्स ,अभय सिन्हा और रेणु विजय फिल्म्स एंटरटेनमेंट प्रस्तुत और निशांत उज्ज्वल निर्मित है।इस फिल्म का निर्देशन रजनीश मिश्रा ने किया है।

चिंटू ने कहा कि हमारी फिल्म क्लास के साथ-साथ मास ओरिएंटेड भी है। उन्होंने कहा कि आम्रपाली दुबे के साथ विवाह सीरिज की यह हमारी दूसरी फिल्म है और मुझे यकीन है कि यह फिल्म भी एक बार बाजी मारेगी।फिल्म विवाह 3 में भी मेरा शानदार किरदार है। इस किरदार में दर्शकों को मैं खूब पसंद आने वाला हूं। वहीं, फिल्म को लेकर निर्माता निशांत उज्ज्वल का कहना है कि दिल थाम कर बैठिये। एक मजेदारी फैमली ड्रामा वाली फिल्म लेकर हम लोग रेडी हैं। इसकी एक झलक फर्स्ट लुक में दिखी है। जल्द ही फिल्म का ट्रेलर

भी आएगा।हमने इस फिल्म को बिग स्केल पर रेडी किया है। फिल्म में सभी कलाकारों की दिल में उतरने वाले किरदार है, जो उन्होंने बखूबी निभाया भी है।

फिल्म विवाह 3 में प्रदीप पांडेय चिंटू और आम्रपाली दुबे के साथ संयुक्ता राय, अवधेश मिश्रा, संजय पांडेय, रोहित सिंह मटरू, राम सुजन सिंह, अनिता रावत, मनोज द्विवेदी, रजनीश झा, निशा सिंह, अविनाश तिवारी, स्पेशल गाना यामिनी सिंह, अजय कुमार निरहुआ और बबलू खान प्रमुख भूमिकाओं में हैं। सह निर्माता डॉ संदीप एवं सुशांत उज्ज्वल हैं। छायांकन महेन्द्र शेरला और गीतकार रजनीश मिश्रा, प्रफुल तिवारी ,अभिजीत मिश्रा हैं। एक्शन एस मल्हेश और कोरियोग्राफर मोना शेख, मनोज गुप्ता एवं लक्की विश्वकर्मा हैं।

एंजेलिना जोली ने इजरायल-फिलिस्तीन युद्ध के लिए की आईडीएफ व हमास दोनों की निंदा

लॉस एंजेलिस/एजेन्सी

एक्ट्रेस एंजेलिना जोली ने आईडीएफ (इजरायली रक्षा बल) और आतंकवादी संगठन हमास दोनों की निंदा की है, जिसने गाजा के पूरे क्षेत्र को तबाह कर दिया है और चल रहे युद्ध के साथ पूरी दुनिया के लिए चिंताजनक स्थिति पैदा कर दी है। ऑस्कर विजेता अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर लिखा, दुनिया भर के लाखों लोगों की तरह मैंने भी पिछले सप्ताह इजरायल में आतंकवादी हमले में कई निर्दोष नागरिकों की मौत पर शोक व्यक्त करते हुए बिताया है और सोच रही थी कि कैसे मदद की जाए।'' ''मैं भी प्रत्येक बंधक की तत्काल, सुरक्षित वापसी और उन परिवारों के लिए प्रार्थना कर रही हूं, जो किसी प्रियजन की हत्या का अकल्पनीय दर्द झेल रहे हैं। सबसे खौफनाक बात यह है कि बच्चों की हत्या कर दी गई और कई बच्चे अब अनाथ हो गए हैं।'' 'गर्ल इंटरप्टेड' एक्ट्रेस ने कहा: इजरायल में जो हुआ वह आतंक का कृत्य है। लेकिन यह गाजा में नागरिक आबादी पर बमबारी में खोई गई निर्दोष जिंदगियों को उचित नहीं ठहरा सकता, जिनके पास जाने के लिए कोई जगह नहीं है, भोजन या पानी तक पहुंच नहीं है, निकासी की कोई संभावना नहीं है और शरण लेने के लिए सीमा पार करने का बुनियादी मानव अधिकार भी नहीं है।'' दो दशकों से ज्यादा समय से एक्ट्रेस एक मानव कार्यकर्ता भी रही हैं और मानवीय कारणों को अपना समर्थन देती रही हैं। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त के साथ भी काम किया है और दुनिया भर में जबरन विस्थापित लोगों के समर्थन में अभियान चलाया है। 7 अक्टूबर को फिलिस्तीनी आतंकवादी समूह द्वारा इजरायल पर हमला शुरू करने के बाद से, युद्ध विनाशकारी स्तर तक बढ़ गया है, जिससे हजारों लोगों की मौत हो गई है। हमले के जवाब में इजरायल ने गाजा पट्टी को सील कर दिया है और जवाबी कार्रवाई में हवाई हमले किए हैं।

अर्जुन कपूर और भूमि पेडनेकर की फिल्म 'द लेडी किलर' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेता अर्जुन कपूर और अभिनेत्री भूमि पेडनेकर की आने वाली फिल्म 'द लेडी किलर'का ट्रेलर रिलीज हो गया है। अजय बहल निर्देशित फिल्म 'द लेडी किलर' की कहानी एक छोटे शहर के प्लेबॉय और एक खतरनाक लड़की के इर्द-गिर्द बुनी गई है। ट्रेलर की शुरुआत में अर्जुन एक महाराजा के रॉयल बंगले में किसी से मुलाकात करने पहुंचे हैं। यहां उनकी मुलाकात भूमि से होती है, जिससे बाद में वो प्यार करने लगते हैं।

कहानी में मोड़ तब आता है जब भूमि एक खतरनाक महिला के तौर पर सामने आती हैं। फिल्म 'द लेडी किलर' 03 नवंबर को रिलीज होगी।

मलयालम अभिनेत्री रंजूषा मेनन ने की आत्महत्या, घर पर लटकी हुई मिलीं

तिरुवनंतपुरम/एजेन्सी

साउथ की जानी मानी एक्ट्रेस रंजूषा मेनन का निधन हो गया है। एक्ट्रेस अपने घर में मृत्य पाई गई हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक 35 साल की एक्ट्रेस तिरुवनंतपुरम स्थित अपने फ्लैट पर लटकी हुई मिलीं। 30 अक्टूबर की सुबह उनकी मौत हुई। इस खबर के सामने आने के बाद एक्ट्रेस के फैंस सहित इंडस्ट्री को गहरा सदमा लगा है। हालांकि एक्ट्रेस के निधन की वजह अभी तक सामने नहीं आई है। रंजूषा का इतनी कम उम्र में अचानक इस दुनिया को अलविदा कह देना हैरान करने वाला है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मलयालम फिल्मों में अपनी पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस रंजूषा मनोरंजन जगत की जाना-माना चेहरा थीं। उन्होंने फिल्मों के अलावा कई टीवी सीरियल्स में भी काम किया है। आखिरी बार उन्हें आनंदरागम में मुख्य भूमिका निभाते हुए देखा गया था। सीरियल्स के साथ-साथ वह सेलिब्रिटी कुकरी शो 'सेलिब्रिटी किचन मैजिक' में भी बतौर कंटेस्टेंट नजर आई थीं। इसके अलावा उन्हें मलयालम फिल्म सिटी ऑफ गॉड और मेरीकुंदोरु कुंजाडू में भी देखा गया था। एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती थीं। अभिनेत्री अपने को-एक्टर्स के साथ रील्स बनाती रहती थीं। उन्होंने आखिरी बार गत 29 अक्टूबर 2023 को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक रील शेयर किया था। इस वीडियो के शेयर करने के बाद ऐसा आखिर क्या हो गया कि रंजूषा ने इतना बड़ा कदम उठा लिया। इसकी जानकारी अभी तक नहीं हो पाई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक रंजूषा बीते काफी समय से अपने पति और बच्चों के साथ श्रीकार्यार्ट में किराए पर रह रही थीं। एक्ट्रेस के निधन की खबर मिलते ही श्रीकार्यम पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। एक्ट्रेस के शव को पोस्टमार्टम के लिए तिरुवनंतपुरम मेडिकल कॉलेज ले जाया गया है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | मंगलवार | 31-10-2023 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

अरिहंत परमात्मा का सबसे बड़ा गुण यह है कि वे मार्गदर्शक है। मार्गदर्शक यानी यथार्थ प्ररूपणा, स्यादवाद आदि। यह कार्य कोई दूसरा नहीं कर सकता। ज्ञानावरणीय कर्मों का क्षय होने पर ही परमात्मा केवलज्ञानी बन सकते हैं। वे जीवात्मा की पात्रता, सामर्थ्य और समय देखकर उसे धर्म का मार्ग बताने की प्रेरणा देते हैं। सिद्ध भगवंतों का गुण है कि वे अविनाशी है। अविनाशी यानी जिस सुख का कभी विनाश न हो। उन्हें अंदर का आनंद ही रहता है। जो सुख आने पर कभी जाता नहीं हो। आचार्य का गुण आचार शुद्धि व आचार संपन्नता है। ज्ञानी कहते हैं ज्ञान दिखता नहीं है, आचार दिखता है। उपाध्याय का गुण विनय होता है।

डिस्लेक्सिया पर जीएसएस में जागरूकता कार्यशाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां वेपेरी स्थित गुरु श्री शांति विजय जैन विद्यालय में 'डिस्लेक्सिया' के बारे में एक जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला को अगस्त से अक्टूबर तक छह चरणों में पूरा किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य शिक्षकगण में डिस्लेक्सिया के बारे में जागरूकता प्रदान करना रहा, ताकि वे अपने विद्यार्थियों को छोटी उम्र में डिस्लेक्सिया के विकार से बाहर निकाल सके। इस कार्यशाला की संचालिका डॉ. मीना ने बताया कि डिस्लेक्सिया विकलांगता का ही एक अंग है ,जिसका संबंध मस्तिष्क की नसों और तंतुओं से होता है। इस विकार से ग्रसित विद्यार्थियों को पढ़ने, समझने, बोलने संबंधी कठिनाइयाँ हो सकती है। डॉ. मीना ने इसे पहचानने और समझने के लिए विभिन्न प्रकार के मापदंडों पर प्रकाश डाला। साथ ही इस तथ्य पर जोर दिया कि हर एक बच्चा किसी न किसी प्रतिभा का धनी होता है। हमें उस प्रतिभा को पहचान कर विकसित करना है और विद्यार्थियों को उसे प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करना है।यह कार्यशाला शिक्षकगण के लिए अत्यंत उपयोगी और ज्ञानवर्धक रही।इस कार्यशाला के सभी चरण पूरे करने पर शिक्षकगण को 'मद्रास डिस्लेक्सिया एसोसिएशन' की तरफ से प्रमाण पत्र दिए गए। कार्यक्रम में विद्यालय के संवाददाता व सचिव डॉ. ज्ञान जैन व प्राचार्या वी. उमा माहेश्वरी भी उपस्थित थे।

डॉ. दिलीप धींग का व्याख्यान और सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। श्रुत रत्नाकर, अहमदाबाद और श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन सभा, दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में 30 अक्टूबर को दिल्ली में शसुन जैन कॉलेज के जैनविद्या विभाग के शोध प्रमुख डॉ. दिलीप धींग ने कहा कि भगवान महावीर के युग में गोपालन समृद्ध अवस्था में था, इसलिए अच्छी कृषि उपज और प्रचुर दूध व दुग्ध उत्पाद उपलब्ध थे। राष्ट्रीय प्राकृत संगोष्ठी में प्राकृत भाषा के जैन ग्रंथ उपासकदशांग के सन्दर्भ से डॉ. धींग ने कहा कि उपासकदशा सूत्र एक ऐसा ग्रंथ है, जो जैन धर्म और वैदिक परंपरा में सांस्कृतिक सेतु निर्मित करता है।

महावीर युग से लेकर वर्तमान तक जैन गोरक्षा में अग्रणी हैं। बहुश्रुत जय मुनि की निश्रा में डॉ. धींग ने कहा कि गाय की न तो पूजा की जरूरत है, न ही गाय के नाम से राजनीति की जरूरत और न ही गौशाला के नाम से धंधा करने की जरूरत है। वस्तुतः गाय तथा अन्य पशुओं की सच्ची रक्षा की जरूरत है।

इस अवसर पर निदेशक डॉ. जितेंद्र बी. शाह, अंतरराष्ट्रीय संस्कृत अध्ययन एसोसिएशन (पेरिस) की अध्यक्ष प्रो. दीप्ति त्रिपाठी, वीर भ्राता रवींद्र जैन और डॉ. राजमल जैन ने डॉ. धींग का सम्मान किया। कार्यक्रम में देशभर के विद्वान उपस्थित थे।

समाज के बगैर व्यक्ति का अस्तित्व पेड़ से पृथक हुए पत्ते की तरह है : देवेंद्रसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां मनुष्य को सामाजिक प्राणी कहा जाता है इसका अर्थ है मानव समाज के लिए है तथा समाज मानव के लिए हैं। दोनों का अस्तित्व पूरी तरह से एक दूसरे पर आश्रित है पूरक हैं। उपरोक्त बातें श्री सुमतिवल्लभ नोर्थटाउन श्वेतांबर मूर्तिपूजक जैन संघ में आचार्यश्री देवेंद्रसागरसूरीजी ने प्रवचन देते हुए कही, वे आगे बोले कि मानव ने स्व भावना का त्याग कर पर भावना को आधार बनाकर समाज बनाया तो समाज ने भी मानव के सर्वांगीण विकास में अहम भूमिका अदा की। इस तरह समाज व परिवार एक दूसरे से अभिन्न बन गये। किसी राष्ट्र या वर्तमान के देशों का स्वरूप भी इसी तरह निर्मित हुआ, व्यक्ति से समाज, समाज से नगर और नगर से छोटे-छोटे राज्य और राष्ट्र का निर्माण हुआ।

समाज के बगैर व्यक्ति का अस्तित्व उतना ही है जितना किसी पेड़ से पृथक हुए पत्ते का हैं। व्यक्ति अपना चहुमुखी विकास समाज में रहकर, उसके संसाधनों का उपयोग करके, सुविधाओं का उपभोग करके ही कर सकता हैं। समाज निर्माण के पीछे मनुष्य के एकाकीपन एवं असुरक्षा के भाव रहे हैं। आदि मानव जब बिखरे स्वरूप में अलग अलग रहता था तो जंगली जानवरों से उसे जीवन का खतरा था, अतः वह अपने परिवार और समाज के साथ मिलकर रहने लगा। प्राचीन भारत के समाज संयुक्त परिवारों से बने थे, जो आज एकाकी हो गये हैं। व्यक्ति समाज में गौण था उसे अपने समस्त कार्य समाज द्वारा तय परिधि के भीतर ही करना होता था। मर्यादा, संस्कार तथा कर्तव्यों का निर्वहन करना प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य था। मगर आज परिस्थतियाँ बिल्कुल उल्ट हो गई ह।. अब व्यक्ति समाज से अधिक स्वयं को तरजीह देने लगा हैं वह समाज के कर्तव्यों के स्थान पर स्वयं या परिवार के कर्तव्यों को सर्वोपरि मानने लगा हैं। मनुष्य की आत्मकेंद्रितता की भावना के चलते उसके समाज के प्रति दृष्टिकोण में बड़ा बदलाव आया हैं। उसे यह एहसास नहीं रहा है कि मनुष्य जीवन का आधार समाज ही हैं।

मनुष्य भले ही अपने प्रयत्नों से भौतिक साधन जुटाता है, मगर उसमें समाज का बड़ा सहयोग रहता है जिसके बिना वह उन्नति नहीं कर सकता हैं। व्यक्ति जो कुछ पाता है समाज से ही पाता हैं।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

जागी जागी जागी रे दिवला री ज्योत ..देर रात तक झूमे श्रद्धालु

ज्वालादेवी के नाम भक्ति जागरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां महानगर के साहुकारपेट क्षेत्र के तुलसीगम स्ट्रीट स्थित राजेश्वर भवन में रविवार को वशिष्ठ गोत्रीय राजपुरोहित जागरवाल परिवार द्वारा श्री ज्वालादेवी नवयुवक मंडल चेन्नई के तत्वावधान में एक शाम मां ज्वालादेवी के नाम 12 वें वार्षिक विशाल भक्ति जागरण का आयोजन हुआ। जिसमें श्रद्धालुओं का श्रद्धा का उमड़ा ज्वार एवं बही भजनों कि सरिता इस विशाल भक्ति जागरण में राजस्थान के पाली जिले के सोजतसिटी से आए प्रसिद्ध भजन गायक दिनेश राणा एण्ड पार्टी व रवि पंवार लुणावा ने एक से बढ़कर एक शानदार भजनों कि प्रस्तुति देकर उपस्थित श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया तथा नृत्य कलाकार भरत सुदामा व अंकित मारवाड़ी ने सुन्दरमय नृत्य पेश किया। उन्होंने ज्वाला माताजी, गौ माता, रामदेवजी व बजरंग बली, राम लक्ष्मण, गणेश आदि की सुन्दरमय झांकी प्रस्तुत कि गई।

ज्वालादेवी नवयुवक मंडल चेन्नई के सचिव बगसिंह बागरा ने बताया कि भजनों का आगाज मां ज्वालादेवी के आरती के पश्चात भजन गायक रवि पंवार लुणावा ने गणेश वंदना व गुरु वंदना से किया इस के बाद दिनेश राणा ने जागी जागी रे दिवले री ज्योत..ठुमक ठुमक ने चाल भवानी.. रेवत री धणियोणी मोटो देवरो..ढोल बजावे माताजी रेवत सु आवे..आवणो पडेला मां आवणो पडेला..आज म्हारे मनणा रो मोर बोले.. सतगुरु आंगण आया..तेरस री है रात माजीसा आज थाने आणो है..घणा कोड सु लाई मां ज्वाला री चुनड़ी..चरणे आयोडी माजी लाज राखजो..थाने चिमरु पवन कुमार बजरंग बालाजी सहित अन्य कई शानदार भजनों कि प्रस्तुति देकर समा बांधा इस के पश्चात ज्वाला मां कठे सोया् रे सुखभर नींद में, दरसण करलो ज्वाला मां रो शेर आवे ..आम कि डाली कोयल बोले.. खेतारामजी मुकुंद घोड़ों.. सहित माताजी, खेतलाजी, रामदेवजी बालाजी व खेतारामजी के भजनों कि मधुरमय प्रस्तुतियां दी। भक्ति जागरण के दरम्यान आगामी वार्षिक भक्ति जागरण के चढ़ावों कि बोलियां लगाई गई जिसमें वशिष्ठ गोत्रीय राजपुरोहित जागरवाल परिवार के बन्धुओं ने स्वयं आगे आकर चढ़ावों कि बोलियां लगाई एवं चढ़ावों का लाभ लिया चढ़ावों के लाभार्थियों एवं भामाशाहों तथा मुख्य अतिथियों का ज्वालादेवी नवयुवक मंडल द्वारा सम्मान किया गया। इस अवसर पर मां ज्वालादेवी का रंग बिरंगे विशेष फूलों से माता राणी का सुन्दरमय दरबार सजाया गया था एवं माता कि ज्योत प्रज्वलित कि कार्यक्रम को लेकर सुबह 101 कन्याओं का पूजन कर भोजन करवाया तथा उन्हें भेंट स्वरूप श्रृंगार की वस्तुएं देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन चेन्नई के प्रसिद्ध मंच संचालक हंसराज राजपुरोहित कैलाशनगर ने किया।

आत्मा को साधने पर परमात्मा मिल जाता है : साध्वी स्नेहप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। परमात्मा की शरण मे जाने से पहले मनुष्य को स्वयं की आत्मा की शरण में जाना पड़ेगा। तभी वह परमात्मा तक पहुंच सकता है। सोमवार को साहुकारपेट जैन भवन साध्वी स्नेहप्रभा ने श्रीमद उत्तराध्ययन सूत्र के तेरहवें अध्याय अज्झयणं चित्तसंभूइज्जं पाठ का वर्णन करते हुए श्रद्धालुओं से कहा कि संसार मे आत्मा से बढ़कर कुछ भी नहीं है और मनुष्य संसारिक और भौतिक वस्तुओं से परमात्मा को प्राप्त करना चाहता है जबकि आत्मा को साधने बिना परमात्मा से आत्मा का मिलन नहीं हो सकता है। वही व्यक्ति परमात्मा को प्राप्त कर सकता है जिसने स्वंय की आत्मा को साध लिया तो वह परमपिता परमेश्वर से अपनी आत्मा का मिलन करवा सकता है। और इस आत्मा को संसार से मुक्ति दिलवा सकता है। महासती धर्मप्रभा ने अंजना चारित्र का वांचन करते हुए कहा कि इंसान के कर्म ही उसके भाग्य की रचना करते हैं। लेकिन संसार मे भाग्य सभी के एक जैसे नहीं होते है लेकिन मनुष्य अच्छे कर्म करके अपने भाग्य को बदल सकता है और जीवन मे सफलता प्राप्त करके भविष्य को संवार सकता है।

श्री संघ के कार्याध्यक्ष महावीर चन्द सिसोदिया ने जानकारी देते हुए बताया कि धर्मसभा मे अनेक श्रद्धालुओं के साथ एसएस जैन संघ साहुकारपेट के अध्यक्ष एम. अजितराज कोठारी, हस्तीमल खटोड़, अशोक कांकरिया, शम्भूसिंह कावड़िया, पृथ्वीराज वाघरेचा, उत्तम चन्द नाहर आदि की उपस्थित रही।

हमें आराधना का आनंद और पाप का खेद रखना चाहिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। किलपॉक जैन संघ में विराजित योगनिष्ठ आचार्य केशरसूरी समुदाय के वर्तमान गच्छाधिपति आचार्यश्री उदयप्रभ सूरीश्वरजी म.सा. ने नवपद के गुणों की विवेचना करते हुए कहा कि अरिहंत परमात्मा का सबसे बड़ा गुण यह है कि वे मार्गदर्शक है। मार्गदर्शक यानी यथार्थ प्ररूपणा, स्यादवाद आदि। यह कार्य कोई दूसरा नहीं कर सकता। ज्ञानावरणीय कर्मों का क्षय होने पर ही परमात्मा केवलज्ञानी बन सकते हैं। वे जीवात्मा की पात्रता, सामर्थ्य और समय देखकर उसे धर्म का मार्ग बताने की प्रेरणा देते हैं। सिद्ध भगवंतों का गुण है कि वे अविनाशी है। अविनाशी यानी जिस सुख का कभी विनाश न हो। उन्हें अंदर का आनंद ही रहता है। जो सुख आने पर कभी जाता नहीं हो। आचार्य का गुण आचार शुद्धि व आचार संपन्नता है। ज्ञानी कहते हैं ज्ञान दिखता नहीं है, आचार दिखता है। उपाध्याय का गुण विनय होता है। साधु का गुण यह होता है कि वे ज्ञान, तप, प्रवचन, भक्ति में माहिर होते हैं। वे दूसरों की आराधना में सहायक बनते हैं। उनमें स्वार्थ, अभिमान, वैर नहीं होता है।

आचार्यश्री ने कहा कि अनुभव का ज्ञान सारे गुणों में श्रेष्ठ ज्ञान है। ज्ञान तीन तरह के बताए गए हैं पानी के जैसा यानी मात्र श्रुतज्ञान, दूध के जैसा यानी ज्ञान का चिंतन करना और अमृत के जैसा। निर्मल श्रद्धा, विनय संपन्नता आदि गुणों के द्वारा तीर्थंकर गोत्र बंध किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि श्रद्धा दृढ़ व निर्मल रखनी चाहिए। जब कोई आपका दोष बताए, तो तुरंत ही यदि हमें क्रोध आ जाए, तो समझना अपनी श्रद्धा कम है। कोई अपना दोष कहने वाला मिले, तो उसे अपना दोस्त समझना। कितनी भी विकट परिस्थिति हो, धर्म के प्रति श्रद्धा कम नहीं करनी चाहिए। आपको याद करना है तो वेदना, नारकी के परिणामों को याद करो। जब भी परमात्मा से मांगो तो सद्बुद्धि, सन्मति मांगनी चाहिए। परमात्मा की सच्ची भक्ति वही कर सकता है, जो प्रवचन श्रवण करता है। अपना सम्यक् दर्शन निर्मल है कि नहीं, यह प्रवचन श्रवण से पता चलता है। उन्होंने कहा जगत के सबसे बड़े रोग तुलना, तृष्णा और तनाव है। हमें या तो तृष्णा को दूर करना या शांत करना या दान, त्याग, वैराग्य का मार्ग खोलना चाहिए। गुरु के पास जाकर दुःखों के कारणों को खोजना चाहिए। एक दो मिनट की आशातना के पाप का प्रायश्चित बहुत लंबा करना पड़ता है। हमें अपने पाप का खेद हरदम रखना चाहिए। हम आराधना का आनंद जितना रखते हैं, उतना ही पाप का खेद रखना चाहिए। पापों की आलोचना जितनी जल्दी हो सके, शुरु कर देनी चाहिए। उन्होंने कहा पापी का नहीं, पाप का तिरस्कार करो।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

मुमुक्षु अभिनन्दन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में दांतराई के वरिष्ठ जनों द्वारा दांतराई निवासी मुमुक्षु भक्ति कुमारी जगानी का अभिनंदन किया गया। भक्ति की दीक्षा 1 दिसम्बर को सूरत में होगी।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.